सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"प्रसन्न व्यक्ति वह है, "जो निरंतर "स्वयं का मूल्यांकन" एवं सुधार करता है, जबकि दुःखी व्यक्ति वह है जो "दूसरों का मूल्यांकन" करता रहता है... ।

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–28 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 15 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

दुर्ग-भिलाई में महाशिवरात्रि: आस्था, भव्यता और जन-भागीदारी का अद्भुत संगम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग-भिलाई में महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था का विराट उत्सव है। यहाँ भव्य शिव बारात, रिकॉर्ड स्तर की झांकियां, विशेष अनुष्ठान और सामुदायिक सहभागिता इसे प्रदेश ही नहीं, देशभर में विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ट्विनसिटी में आज सुबह से ही भक्तिमय वातावरण रहा। शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी थी।

भव्य शिव बारात : आस्था की ऐतिहासिक परंपरा

भिलाई में महाशिवरात्रि के दिन भोलेनाथ की भव्य बारात वार्ड नंबर 1, हथखोज से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरती है। 151 से अधिक झांकियों के साथ निकलने वाली यह बारात एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने की तैयारी के साथ आयोजित की जाती है। झांकियों में बस्तर का कोया नृत्य, आंध्र प्रदेश का लोकनृत्य, राम-रावण युद्ध, भूत-पिशाच, राक्षस गण और शिव विवाह जैसे दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहते हैं। इस वर्ष केरल की विशेष सांस्कृतिक झांकियां भी शामिल की जा रही हैं।

बाबा महाकाल की तर्ज पर आयोजन

राजनांदगांव और दुर्ग-भिलाई में उज्जैन की तर्ज पर बाबा महाकाल के स्वरूप को केंद्र में रखकर विशेष आयोजन होते हैं। सिद्ध शिव मंदिरों में तीन दिवसीय अनुष्ठान, रात्रि 11:52 बजे से रूद्राभिषेक तथा पंचाक्षरी मंत्र का जाप किया जाता है। दुर्ग के शिवनाथ सरोवर में नगर निगम द्वारा मुख्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

राजनांदगांव में बाबा महाकाल की भव्य शोभायात्रा, विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

राजनांदगांव। आज शहर में भगवान बाबा महाकाल की भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। यह शोभायात्रा पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

संस्कार धानी मित्र मंडल के अध्यक्ष निखिल द्विवेदी ने बताया कि इस वर्ष की शोभायात्रा विशेष रूप से भव्य रही, जिसमें उड़ीसा, हरियाणा एवं मध्यप्रदेश की पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया।

ढोल-नगाड़ों, झांकियों और भजनों के साथ निकली इस यात्रा ने पूरे शहर को शिवमय कर दिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया तथा प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। आयोजकों ने समस्त नागरिकों, प्रशासन एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दुर्ग संभाग के प्रमुख प्राचीन शिव मंदिर

भोरमदेव मंदिर
निर्माण : 1089 ईस्वी
विशेषता : छत्तीसगढ़ का खजुराहो कहा जाता है, नागर शैली की उत्कृष्ट नक्काशी।
नागपुरा शिव मंदिर
12वीं शताब्दी का पंचरथ शैली का मंदिर, बारीक नक्काशी के लिए प्रसिद्ध।
मड़वा महल (कवर्धा)
1349 ईस्वी में निर्मित, विवाह मंडप शैली का अनूठा स्थापत्य।
सहस्रपुर शिव मंदिर (दुर्ग)
13वीं–14वीं शताब्दी का ऐतिहासिक मंदिर।
दुर्ग-भिलाई में महाशिवरात्रि उत्सव को विराट रूप देना और उसे जन-सेवा से जोड़ना की अनूठी परंपरा का प्रतीक है। यहां आस्था केवल मंदिरों तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक सहभागिता और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आती है।
हर-हर महादेव।

प्रमुख मंदिर और आयोजन स्थल

देवबलोदा शिव मंदिर
12वीं-14वीं शताब्दी का कलचुरीकालीन मंदिर। महाशिवरात्रि पर यहां दो दिवसीय देवबलोदा मेला लगता है। प्राचीन कुंड और अद्भुत नक्काशी श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है।

शिवनाथ सरोवर
दुर्ग नगर निगम द्वारा मुख्य आयोजन स्थल। यहां झांकियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक अनुष्ठान होते हैं।

हथखोज शिव मंदिर (भिलाई)
यहीं से शिव बारात का शुभारंभ होता है। भगवान शिव का अर्धनारीश्वर रूप में विशेष श्रृंगार किया जाता है।

सेक्टर- 10 शिव व शंकर मूर्ति मंदिर (शक्ति नगर)
विशाल प्रतिमा, सजावट और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन।

वैकुंठधाम (भिलाई)
महाभिषेक, भजन संध्या, भव्य शोभायात्रा और विशाल भंडारा यहां की प्रमुख विशेषताएं हैं।

भक्ति के साथ जन-भागीदारी

भिलाई एक औद्योगिक शहर होने के बावजूद अत्यंत धार्मिक प्रवृत्ति वाला समाज है। यहां महाशिवरात्रि को सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। हजारों स्वयंसेवक सेवा समितियों के माध्यम से जुड़ते हैं। झांकियों को रिकॉर्ड में दर्ज कराने की विशेष तैयारी होती है। दान और सेवा की परंपरा के तहत सामूहिक प्रसादी का आयोजन होता है। केरल, ओडिशा, उत्तर भारत सहित विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलती है।

हादसा पायलट की सूझबूझ से टला संभावित हादसा, वापसी उड़ान रद्द

रायपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की गो-अराउंड घटना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा पर शनिवार दोपहर लगभग 2:50 बजे एक इंडिगो विमान के साथ लैंडिंग के दौरान गो-अराउंड की घटना हुई। भोपाल से रायपुर आ रही IndiGo की ATR-72 विमान ने पहली कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग नहीं की और पायलट को मानक प्रक्रिया के तहत विमान को दोबारा हवा में उठाना पड़ा।

क्या हुआ रनवे पर?

प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों के अनुसार, विमान ने रनवे को छुआ, हल्का झटका महसूस हुआ और फिर अचानक दोबारा उड़ान भर ली। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से कुछ देर के लिए विमान के भीतर दहशत का माहौल बन गया। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, इसे ह्बाउंस लैंडिंग या ह्यअनस्टेबल एप्रोच की स्थिति कहा जाता है। ऐसी परिस्थिति में पायलट यदि महसूस करे कि लैंडिंग सुरक्षित नहीं है, तो वह तत्काल गो-अराउंड करता है। यह एक नियमित सुरक्षा प्रक्रिया है और पायलटों को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

तकनीकी कारण क्या हो सकते हैं?

हालांकि आधिकारिक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी, लेकिन प्रारंभिक संभावनाएं इस प्रकार मानी जा रही हैं— रनवे की सतह या हवा की दिशा में अचानक बदलाव, लैंडिंग स्पीड या एप्रोच एंगल का अस्थिर होना, टचडाउन के दौरान अधिक बाउंस, एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) के निर्देशानुसार पुनः एप्रोच विशेषज्ञों का मानना है कि ATR-72 जैसे टर्बोप्रॉप विमान में हवा के झोंकों (Crosswind) का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक महसूस हो सकता है।

दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग

गो-अराउंड के बाद विमान ने कुछ मिनट हवा में चक्कर लगाया और पुनः एप्रोच लेकर सुरक्षित लैंडिंग की। सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी प्रकार की शारीरिक क्षति नहीं हुई।

क्या है गो-अराउंड?

गो-अराउंड विमानन की एक मानक और सुरक्षित प्रक्रिया है। जब पायलट को लगता है कि लैंडिंग परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं, तो वह रनवे से दोबारा टेक-ऑफ जैसी स्थिति बनाकर विमान को हवा में ले जाता है और फिर नई एप्रोच से लैंडिंग करता है। यह आपातकालीन स्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्णय होता है।

वापसी उड़ान रद्द

सुरक्षा मानकों के तहत विमान की तकनीकी जांच अनिवार्य होती है। इसी कारण रायपुर से भोपाल जाने वाली वापसी उड़ान रद्द कर दी गई। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

एयरपोर्ट संचालन पर असर

घटना के कारण कुछ समय के लिए एयरपोर्ट परिचालन प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य कर दी गई। इंडिगो की तकनीकी टीम और एयरपोर्ट प्रबंधन ने घटना की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि विमानन सुरक्षा में पायलट का प्रशिक्षण और त्वरित निर्णय कितने महत्वपूर्ण होते हैं। सतकर्ता और मानक प्रक्रियाओं के पालन से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

बसंत ऋतु के साथ बाजार में बोहर भाजी की बहार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बसंत आते ही बाजारों में जिस हरियाली का इंतजार रहता है, वह है बोहर भाजी। छत्तीसगढ़ प्रदेश की 36 पारंपरिक भाजियों में बोहर भाजी यहां के रहवासियों को सबसे अधिक प्रिय है। बसंत बयार शुरू होते ही जंगली इलाकों से लेकर बिलासपुर रायपुर, दुर्ग भिलाई राजनांदगांव जैसे शहरों की सड़कों पर बेचने युवक युवतियां भी है दिख जाएंगे। छत्तीसगढ़ के विभिन्न गांवों के साप्ताहिक बाजारों और शहरों के सभी सब्जी बाजार में इन दिनों बोहर भाजी की बहार है। बाजार में बोहर भाजी की कीमत भी आसमान छू रही है क्योंकि इस भाजी के स्वाद और गुण का भी व्यापक महत्व है। बाजार में बोहर भाजी की कीमत अभी 80 रुपये में 250 ग्राम है। बोहर भाजी को देसी घी में टमाटर और दही के साथ बनाकर खाने का अपना आनंद ही अलग है। बोहर भाजी कम, आयुर्वेदिक औषधि अधिक प्रतीत होती है। लोकमान्यता है कि इसे अन्य स्थानों पर लसुड़े के फूल के नाम से भी जाना जाता है। मौसम के मुताबिक अवश्य स्वाद लें और इसके गुणों का लाभ उठाएं। यह सामान्यतः मई माह तक बाजार में उपलब्ध रहती है।

बोहर भाजी के प्रमुख गुणः-

कफ और शरीर के दर्द में लाभकारी, पेट के कीड़े (कृमि) नष्ट करने में सहायक, पाचन शक्ति सुधारने में उपयोगी, आयरन और फाइबर से भरपूर, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक, शरीर को प्राकृतिक ठंडक प्रदान करती है। छत्तीसगढ़ की यह दुर्लभ मौसमी भाजी स्वाद, परंपरा और सेहत– तीनों का अद्भुत संगम है। बसंत में आए तो बोहर भाजी का आनंद अवश्य लें।

अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 17 को

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु कुल 38 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इन पदों के लिए जारी प्रतीक्षा सूची के अनुसार पात्र अभ्यर्थियों कि 17 फरवरी 2026 को अपरान्ह 12.00 बजे से मेरिट के आधार पर काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा तथा रिक्त पदों के विरुद्ध पदस्थापना स्थल का चयन भी किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के सभागार में संपन्न होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सभी संबंधित अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को प्रातः 11 बजे तक उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं, ताकि काउंसलिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इसके साथ ही उक्त विज्ञापित पदों में से पांच पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं लिखित/कौशल परीक्षा संवगर्वार मेरिट सूची व परीक्षा समय सारणी विभागीय वेबसाईट www.durg.gov.in में प्रकाशन किया गया है।

पाटन में स्मार्ट मीटर पखवाड़ा का आयोजन, उपभोक्ताओं को दी गई स्मार्ट मीटर की तकनीकी जानकारी

दुर्ग। भारत सरकार के केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के निर्देशानुसार, उपभोक्ताओं को आधुनिक बिजली प्रणालियों के प्रति जागरूक करने के लिए 23 फरवरी 2026 तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत वितरण केंद्र पाटन में एक वृहद उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीएसपीडीसीएल पाटन संभाग के कायर्पालन अभियंता बी.पी. दीपक, सहायक अभियंता कमलेश कुमार साहू, कनिष्ठ अभियंता राजेश कुमार साहू और जीनस स्मार्ट मीटर के मैनेजर केदारनाथ साहनी उपस्थित रहे। शिविर में विभाग के कमर्चारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय उपभोक्ताओं ने हिस्सा लिया।

शिविर के दौरान अधिकारियों ने उपभोक्ताओं की स्मार्ट मीटर से जुड़ी शंकाओं को दूर करते हुए इसके विभिन्न फायदों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य रूप से उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की पारदर्शिता और सटीक बिलिंग के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह स्वचालित है, इससे मानवीय हस्तक्षेप खत्म होगा और गलत रीडिंग या बिलिंग की समस्या से निजात मिलेगी। शिविर में उपभोक्ताओं को सिखाया गया कि कैसे वे मोर बिजली ऐप के माध्यम से अपने स्मार्ट मीटर का लाइव डेटा, बैलेंस और खपत की जांच कर सकते हैं। उपभोक्ता अपनी खपत को ट्रैक कर बिजली बिल कम कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर और रिले ऑफ (लाइट बंद होने) की स्थिति में अपनाए जाने वाले कदमों के बारे में सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा मौके पर ही निराकरण किया गया। विभाग की टीमें इस पखवाड़े के दौरान घर-घर जाकर भी लोगों को जागरूक करेंगी। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने अपील की है कि स्मार्ट मीटर पारदर्शितापूर्ण, सटीक बिलिंग एवं बिजली बचत में सहायता आदि सुनिश्चित करने में सहायक है, अतः उपभोक्ता इस आधुनिक तकनीक को अपनाकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

कलेक्टर सिंह तीन स्थानीय अवकाश किया घोषित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा सामान्य पुस्तक परिपत्र (जीबीपी) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कैलेंडर वर्ष 2026 के लिए दुर्ग जिले हेतु तीन स्थानीय अवकाशों की घोषणा की गई है। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के तहत जारी यह आदेश जिले के सभी शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं पर लागू होगा। जिले में वर्ष 2026 के लिए नवा खाई 18 सितंबर 2026 (शुक्रवार), दशहरा (महाअष्टमी) 19 अक्टूबर 2026 (सोमवार) और भाईदूज 11 नवंबर 2026 (बुधवार) को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। यह स्थानीय अवकाश कोषालय, उप-कोषालय एवं बैंकों के लिए लागू नहीं होंगे। इन संस्थानों में कार्य दिवस सामान्य दिनों की तरह ही रहेंगे।

दो दिवसीय सस्वर मानस गान प्रतियोगिता आज से

पाटन। आदिवासी समाज के द्वारा ग्राम बोहारडीह-मानिकचौरी में आज से दो दिवसीय सस्वर मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। दीप प्रज्वलन के मुख्य अतिथि रामसुमेर छेदैहा जनपद सदस्य होगे। अध्यक्षता संतलाल कोड़प्पा अध्यक्ष आदिवासी समाज पाटन राज करेगे।विषेश अतिथि श्रीमती संध्या वर्मा पूर्व जनपद सदस्य, महेश साहू सरपंच ग्राम पंचायत मानिकचौरी (बोहारडीह) राजकुमार साहू उपसरपंच होगे। द्वितीय दिवस 16 फरवरी को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद दुर्ग लोकसभा होगे। अध्यक्षता जितेन्द्र वर्मा प्रदेश भा.ज.पा. संगठन मंत्री करेगे। विशेष अतिथि ज्योति प्रकाश साहू मण्डल अध्यक्ष दरबार मोखली महेश कुमार साहू सरपंच ग्राम पंचायत मानिकचौरी (बोहारडीह) होगे।

सफलता केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं- मंत्री यादव

आंगनबाड़ी केंद्रों का राष्ट्रीय कायाकल्प—शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और रोजगार का एकीकृत मॉडल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई में वृहद स्तर पर दो दिवसीय संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दुर्ग तथा संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। मेला संस्थान के आर-2, कोहका भिलाई परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें 3000 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई। युवाओं को रोजगार मेले के माध्यम से शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार पाने का अवसर प्रदान किया गया।

मेले में 25 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लेकर अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए और विभिन्न पदों के लिए चयन प्रक्रिया प्रारंभ की। बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए अपनी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार प्राप्त करने का प्रयास किया। यह पहल क्षेत्र में रोजगार सृजन एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

रोजगार मेले को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दो दिवसीय इस आयोजन से अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सफलता केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। यह आयोजन युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि यह पूरे संभाग के युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर है। पढ़ाई पूरी कर चुके और अध्ययनरत छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मेले में पहुंचे। उन्होंने विश्वास जताया कि दो दिनों में हजारों युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। कलेक्टर ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासकीय सेवा में आने से पूर्व उन्होंने निजी क्षेत्र में कार्य किया है और पहला रोजगार मिलने की खुशी विशेष होती है। प्रत्येक नौकरी नया अनुभव देती है, जो भविष्य में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, रोजगार अधिकारी राजकुमार कुर्रे सहित बड़ी संख्या में युवा एवं निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां उपस्थित थे।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर युवक घायल, डायल 112 की टीम और जीआरपी ने मिलकर किया रेस्क्यू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

14 फरवरी को समय दोपहर ढाई बजे बजे डायल 112 में इवेंट क्रमांक 246781 में प्राप्त हुआ कि दुर्ग रेलवे स्टेशन परिसर में एक व्यक्ति ट्रेन से गिर गया है, जिसके पैर (घुटने के नीचे) में गंभीर चोट आई है। सूचना प्राप्त होते ही डायल 112 में ऑन ड्यूटी आरक्षक रमेश प्रसाद जायसवाल (बैच क्रमांक 952) एवं चालक लकेश्वर (आईडी क्रमांक 1499), जिनकी ड्यूटी समय 14: बजे से 22 बजे तक मोहन नगर चीता-01 में निर्धारित थी, तत्काल घटनास्थल पहुंचे।

मौके पर जीआरपी पुलिस के सहयोग से घायल व्यक्ति को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया गया तथा तत्काल 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। 108 एंबुलेंस के माध्यम से घायल को प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल दुर्ग ले जाया गया। ऑन ड्यूटी चिकित्सक द्वारा परीक्षण उपरांत बताया गया कि पैर की स्थिति अत्यंत गंभीर है, जिसके फलस्वरूप घायल को बेहतर उपचार हेतु रायपुर रेफर किया गया। तत्पश्चात 108 एंबुलेंस के माध्यम से घायल को रायपुर रवाना किया गया तथा एक अटेंडर को साथ भेजा गया।

घायल का नाम भूषण यादव, उम्र लगभग 28 वर्ष, निवासी बिहार, जो वतर्मान में नागपुर क्षेत्र में कार्यरत है, किसी कार्यवश भिलाई-दुर्ग आया हुआ था। प्रारंभिक जानकारी अनुसार ट्रेन में चढ़ते समय संतुलन बिगड़ने से गिरकर घायल हुआ। घायल के मोबाइल से परिजनों का संपर्क नंबर प्राप्त कर तत्काल सूचना दी गई है। परिजन बिहार से दुर्ग/रायपुर हेतु रवाना हो चुके हैं।आरक्षक रमेश प्रसाद जायसवाल (बैच क्रमांक 952), चालक लकेश्वर (आईडी क्रमांक 1499)

उक्त दोनों कमर्चारियों द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं मानवीय दृष्टिकोण से की गई कार्यवाही सराहनीय रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि रेलवे स्टेशन एवं चलती ट्रेन में चढ़ते-उतरते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल डायल 112 पर सूचना दें, जिससे समय रहते सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

पुलवामा शहीदों को कांग्रेस ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (शहर) द्वारा आज भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्यामा चरण शुक्ला जी की पुण्यतिथि तथा पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित श्यामा चरण शुक्ला का जीवन सादगी, जनसेवा और संघर्ष की मिसाल रहा है। अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने किसानों, श्रमिकों और आम नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखा। उनका राजनीतिक जीवन सामाजिक समरसता, विकास और जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। छत्तीसगढ़ की राजनीतिक चेतना में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

धीरज बाकलीवाल ने पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर राजनीतिक लाभ लेने के बजाय ठोस, पारदर्शी और जवाबदेह नीति अपनाई जानी चाहिए। शहीदों के परिजनों को न्याय, सम्मान और समुचित सहयोग प्रदान करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सभी राजनीतिक दलों को मिलकर कार्य करना चाहिए, ताकि शहीदों का बलिदान सदैव राष्ट्र की प्रेरणा बना रहे।

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, संजय कोहले, अलताफ अहमद, अब्दुल गनी, गुरदीप सिंह भाटिया, श्रीमती देवश्री साहू, सुशील भारद्वाज, राहुल शर्मा, अशोक मेहरा, गणेश सोनी, खुर्शीद अहमद, प्रीतम देशमुख, आनंद कपूर ताम्रकार, संजय बत्रा, विनोद राणा, इमरान मीर, रत्ना नारमदेव, नरेंद्र सोनकर, राकेश साहू, नंदा भवानी, गौरव उमरे सहित कांग्रेस पदाधिकारीगण, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने शहीदों की स्मृति में राष्ट्र की एकता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

नागरिक देवो भव के मंत्र से लोकतंत्र होगा और अधिक मजबूत - ढालेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएमओ को 'सेवा तीर्थ' परिसर में स्थानांतरित किए जाने तथा 'नागरिकदेवो भव' की भावना को प्रमुखता दिए जाने को जनसेवा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए जनपद सदस्य ढालेश साहू ने इस पहल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल भवन परिवर्तन नहीं, बल्कि शासन की कायर्संस्कृति में नागरिक को केंद्र में स्थापित करने का स्पष्ट संदेश है।

ढालेश साहू ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक शक्ति है और नागरिकदेवो भव का आदर्श इस सत्य को व्यवहार में उतारने का प्रयास है। जब प्रधानमंत्री कार्यालय स्वयं को सेवा तीर्थ के रूप में प्रस्तुत करता है, तो यह पूरे प्रशासनिक तंत्र को नागरिकों के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह बनने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने बताया कि जनहित से जुड़े अनेक मामलों में उन्होंने पीएमओ को पत्र प्रेषित किए, जिनमें से कई प्रकरणों का संतोषजनक निराकरण हुआ। इससे यह विश्वास मजबूत होता है कि यदि विषय तथ्यपूर्ण ढंग से उठाए जाएं तो उच्च स्तर पर भी प्रभावी कार्रवाई संभव है। सेवा तीर्थ की अवधारणा नागरिकों को यह भरोसा देती है कि उनकी आवाज अनसुनी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि वे इस पहल का स्वागत करते हुए आगे भी किसानों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाते रहेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेवा तीर्थ नागरिकदेवो भव की भावना लोकतंत्र को और अधिक सशक्त तथा जनोन्मुख बनाएगी। ढालेश साहू ने राज्य सरकारों से निवेदन किया है कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री जी ने ढटड को ह्यसेवा तीर्थ बनाया है, उसी प्रकार राज्य सरकारों को भी अपने उटड को जन-सेवा धाम के रूप में विकसित करना चाहिए।

रक्त दान जीवन का सबसे बड़ा दान है : ललित चंद्राकर

कार्यक्रम

रक्तमित्रों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

माँ कर्मा भवन, सुपेला भिलाई में रेड ड्राप फ्रेंड्स क्लब, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित 13वें स्थापना दिवस सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया तथा प्रदेश स्तरीय रक्तमित्रों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुए और रक्तमित्रों और सामाजिक संस्थाओं को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र और हेल्मेट प्रदान कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम मानवीय सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनकल्याण की भावना को सशक्त करने वाला अत्यंत प्रेरणादायक आयोजन रहा। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा, "रक्तदान एक महादान है, जो जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेड ड्राप फ्रेंड्स क्लब द्वारा आयोजित यह सम्मान समारोह रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देने और रक्तमित्रों को प्रोत्साहित करने का एक सराहनीय प्रयास है।"

उन्होंने आगे कहा, "सामाजिक संस्थाएं और रक्तमित्र हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे न केवल रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाते हैं, बल्कि वे समाज में एकता और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं। मैं इस आयोजन के लिए रेड ड्राप फ्रेंड्स क्लब को बधाई देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी।" इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष तोमन साहू , प्रदेश साहू समाज के उपाध्यक्ष खिलावन साहू, कार्यक्रम संयोजक सूरज साहू रामकुमार साहू कबीर साहू हरिशंकर साहू , प्रेम शंकर साहू समीर साहू हरीश साहू गजेन्द्र साहू अखिलेश तिवारी अमित द्विवेदी, अनीता साहू, किशन साहू , डॉ. शैलेन्द्र साहू , डॉ. हरजिंदर सिंह मीनाक्षी साहू शालिनी गोयल, सुश्री नेहा साहू सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

मंत्री यादव के प्रयास से दुर्ग में पहले फोरलेन सड़क निर्माण का हुआ भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दुर्ग शहर के भीतर पहली फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की उपस्थिति में यह महत्वपूर्ण कार्य शुरुआत की गई। 267.89 लाख की लागत से धमधा-बेमेतरा अंडरब्रिज से अग्रसेन चौक तक लगभग 480 मीटर लंबी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस सड़क के बन जाने से शहर की बड़ी आबादी को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। लोगों को सुरक्षित, सुगम और तेज आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। यह सड़क दुर्ग शहर के यातायात तंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने 5 स्थान पर फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाना है जिसके अंतर्गत पहले फोरलेन सड़क का आज भूमिपूजन किया गया। यह कार्य केवल एक सड़क निर्माण नहीं, बल्कि चुनाव के दौरान किए गए विकास के वादों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम है। भाजपा सरकार शहर के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। दुर्ग की जनता का भाजपा के प्रति स्नेह, विश्वास और सहयोग ही दुर्ग शहर को निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर कर रहा है।

चुनाव के दौरान दुर्गवासियों से किए गए विकास के वादों को पूर्ण करने की दिशा में ठोस पहल है। उन्होंने आगे कहा कि सुशासन की सरकार में दुर्ग का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना एवं यातायात जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। भाजपा सरकार शहर के समग्र विकास हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। दुर्ग की जनता का स्नेह, विश्वास और सहयोग ही शहर को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रहा है। भूमिपूजन में उपस्थित क्षेत्र के व्यापारियों ने बाजे गाजे के साथ मंत्री गजेन्द्र यादव का स्वागत अभिनन्दन कर फोरलेन सड़क की स्वीकृति दिलाने आभार जताते हुए उन्होंने बताया की शहर में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए फोरलेन सड़क की मांग सालों से की जा रही थी, जिसे लेकर मंत्री गजेन्द्र यादव ने गंभीरता दिखाई और प्रशासनिक प्रक्रिया पूर्ण कराकर आज भूमिपूजन कर फोरलेन सड़क की सौगात दिए है।

अग्रसेन चौक के पास राम मंदिर के पीछे एक तरफ ?15 लाख की लागत से दो स्थान पर डोम शेड लगेगा। एक तरफ व्यापारियों के बैठने के लिए और दूसरी तरफ सार्वजनिक आयोजनों के लिए डोम शेड का निर्माण किया जाएगा। इससे सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, सभापति श्याम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अरविंदर खुराना, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हिमांशु सिंह, पार्षद श्रीमति मनीषा सोनी, मनीष साहू, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, देवनारायण तांडी, मनोज सोनी, युवराज कुंजाम, आशीष चंद्राकर, श्रीमति लोकेश्वरी ठाकुर, मनीष कोठारी, गुलशन साहू, मंडल अध्यक्ष बंटी चौहान, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

सांसद बघेल की पहल : नेवई केंद्रीय विद्यालय के लिए जमीन चिन्हित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने नेवई भिलाई में संचालित केंद्रीय विद्यालय के लिए स्वतंत्र भवन निर्माण की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री से चर्चा कर विद्यालय के लिए स्थायी अधोसंरचना उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

सांसद बघेल ने बताया कि वतर्मान में नेवई स्थित केंद्रीय विद्यालय नेवई में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यालय फिलहाल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकरऋ) के भवन में संचालित हो रहा है, जिसके कारण विद्यालय के अधोसंरचना विकास में बाधाएं आ रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का अपना स्वतंत्र भवन होने से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेल मैदान और अन्य आवश्यक सुविधाओं का समुचित विकास हो सकेगा। साथ ही प्रवेश क्षमता में भी वृद्धि होगी, जिससे अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल सकेगा।

लोकसभा में इस विषय पर जानकारी देते हुए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री ने बताया कि सीआईएसएफ द्वारा 2.80 हेक्टेयर (6.99 एकड़) भूमि का चिन्हांकन स्वतंत्र भवन निर्माण के लिए कर लिया गया है। भूमि उपलब्ध होने के बाद भवन निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। सांसद विजय बघेल ने आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही विद्यालय को अपना भवन मिलेगा, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना व वजन त्यौहार से बच्चों को मिला स्वास्थ्य संबल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी पहल के अंतर्गत कुपोषण उन्मूलन की दिशा में ठोस एवं परिणाममुखी कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित वजन त्यौहार अभियान के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सतत निगरानी कर उन्हें समुचित उपचार एवं पोषण परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। महासमुंद जिले में नयापारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 80 बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान 29 बच्चे कुपोषित एवं अति कुपोषित श्रेणी में पाए गए, जिन्हें तत्काल आवश्यक दवाइयां, चिकित्सकीय परामर्श तथा पोषण संबंधी उपचार उपलब्ध कराया गया। गंभीर रूप से प्रभावित बच्चों को नियमित फॉलोअप एवं आवश्यकता पड़ने पर पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती की जानकारी दी गई।

महासमुंद जिले में इसी क्रम में 9 से 18 फरवरी तक आयोजित वजन त्यौहार के अंतर्गत शहरी परियोजना क्षेत्र के डॉ. सुशील सैमुअल वार्ड (सेक्टर-01) में विशेष शिविर आयोजित कर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का वजन एवं ऊंचाई मापी गई। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कुपोषित एवं अत्यंत कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेष पोषण आहार, चिकित्सा सुविधा एवं निरंतर

निगरानी से जोड़ा गया। गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम एवं आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों के नियमित सेवन तथा संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी गई।

चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य दल द्वारा पालकों को संतुलित आहार की उपयोगिता, नियमित टीकाकरण, स्वच्छता, कृमिनाशक दवा सेवन, साफ पेयजल के उपयोग तथा दस्त-उल्टी जैसी स्थिति में त्वरित उपचार के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों के भोजन में दाल, हरी सब्जियां, दूध, अंडा, फल एवं मौसमी खाद्य पदार्थ शामिल करने की सलाह दी गई।पालकों को यह भी बताया गया कि जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की आधारशिला होते हैं। नियमित वजन-ऊंचाई मापन और पोषण प्रबंधन से एनीमिया एवं कुपोषण जैसी समस्याओं की प्रभावी रोकथाम संभव है।

अभियान के दौरान केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। देवार जाति की चार शाला त्यागी किशोरियों को पुनः विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु समझाइश दी गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। यह प्रयास बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने तथा सामाजिक समावेशन को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, पोषण स्तर का मूल्यांकन, आवश्यक दवा वितरण, परामर्श तथा गंभीर मामलों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर कर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। महासमुंद जिले में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से कुपोषण उन्मूलन की दिशा में जनसहभागिता आधारित सशक्त वातावरण निर्मित हो रहा है।

खास खबर

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयास रंग लाए: वनांचल के सुदूर टोलों में पहुंचेगी बिजली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जंगलों के बीच बसे जिन टोलों ने पीढ़ियों तक अंधेरे को अपनी नियति मान लिया था, वहां अब उजाले की पहली किरण पहुंचने जा रही है। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के तीन सुदूर ग्रामों में आजादी के दशकों बाद पहली बार नियमित बिजली पहुंचाने के लिए 3 करोड़ 6 लाख 92 हजार 670 रुपये की बड़ी स्वीकृति जारी की गई है। यह महत्वपूर्ण पहल महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से संभव हो पाई है।

मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना के तहत स्वीकृत इस राशि से ग्राम मसंकी के लुकभुकिया और पतेरीपारा, ग्राम बांक के खासपारा और स्कूलपारा तथा ग्राम असुरा के खासपारा, पण्डोपारा और असुरा-1 में विद्युत विस्तार कार्य किया जाएगा। करोड़ों की लागत से होने वाला यह कार्य न केवल घरों को रोशन करेगा, बल्कि शिक्षा, कृषि और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा।

सबसे बड़ी चुनौती वन भूमि की अनुमति थी। चूंकि संबंधित टोले घने जंगलों के बीच स्थित हैं, इसलिए विशेष स्वीकृति आवश्यक थी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर विभागीय स्तर पर आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया गया है और अब शीघ्र ही जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश का कोई भी घर अंधेरे में न रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्युत सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों को अध्ययन में सुविधा मिलेगी, किसानों को कृषि कार्यों में सहूलियत होगी तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और लघु उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल वनांचल क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री साय ने महालक्ष्मी मंदिर में की पूजा-अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम पंडरीपानी में गजमार पहाड़ी के पीछे स्थित महालक्ष्मी मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर पहुँचकर वे माता महालक्ष्मी की भव्य महाआरती में शामिल हुए और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति एवं निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। इस अवसर पर माँ महालक्ष्मी सेवा एवं कल्याण समिति के सदस्यों और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का सम्मान करते हुए प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, अरुणधर दीवान, विजय अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा में मुख्यमंत्री साय हुए शामिल

सामुदायिक भवन - स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक व पारिवारिक आयोजनों के लिए सुदृढ़ आधार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर प्रवास के दौरान दुलदुला विकास खंड के ग्राम सिरीमकेला स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पावन प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगलकामना की। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के एक दिन पूर्व आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन को उन्होंने श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम सिरीमकेला में सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए सुदृढ़ आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कल हम सब महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएंगे और इस अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि सिरीमकेला में भक्तों और अपने परिवारजनों के बीच आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है। भक्ति और श्रद्धा के इस अनूठे आयोजन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सनातन परंपरा को पुनर्स्थापित करते हुए अयोध्या धाम दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्राएँ करा रही है। श्रवण कुमार के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करते हुए अब तक प्रदेश के 42 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को श्रीरामलला के दर्शन कराए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या धाम में श्री रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है और हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर आज ध्वज लहरा रहा है। प्रत्येक राम भक्त की आस्था 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही – यह एक ऐसा यज्ञ था जिसकी लौ कभी नहीं डगमगाई। हम सब निमित्त मात्र हैं, जो अपने भाँचा राम के दर्शन उनके भव्य मंदिर में कर रहे हैं और श्रद्धालुओं को करा पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नीलकंठेश्वर महादेव का दर्शन पाकर वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। दशहरा पर्व के दिन नीलकंठ के दर्शन को अत्यंत शुभ माना जाता है और आज प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत वहाँ निरंतर दर्शन लाभ मिलना हम सबके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जशपुर में मधेश्वर महादेव स्थित हैं, जिसे लोक मान्यता के अनुसार एशिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग कहा जाता है। सनातन परंपरा में भक्ति का विशेष महत्व है और राज्य सरकार भक्तों का सम्मान करती है। सावन माह में भोरमदेव मंदिर में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर हर वर्ष आस्था प्रकट की जाती है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ का

प्रयाग कहे जाने वाले राजिम त्रिवेणी संगम में इन दिनों राजिम कुंभ कल्प का भव्य आयोजन हो रहा है, जहाँ आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। राजिम कुंभ कल्प की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित किया गया है, ऐतिहासिक बस्तर दशहरा की पहचान देश-विदेश तक है तथा छत्तीसगढ़ के पाँच शक्ति पीठों के विकास के लिए कार्य योजना बनाकर सतत कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता और प्रकृति संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि के इस पावन कालखंड में नीलकंठेश्वर महादेव की कृपा हम सभी पर बनी रहे, प्रदेश में सुख-शांति, समृद्धि और विकास की नई धाराएँ प्रवाहित हों तथा छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक वैभव के साथ निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहे – यही उनकी हार्दिक कामना है।

इस अवसर पर सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व राज्यसभा सांसद रणविजय सिंह जुदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जुदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला साय, कृष्णा राय, पवन साय, भरत सिंह, अरविन्द प्रसाद साय, कपिल देव साय, सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, वनमंडलाधिकारी शशि कुमार तथा महादेव मंदिर समिति के सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मातृ-पितृ दिवस व शिशु नगरी कार्यक्रम आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभाकक्ष में मातृ-पितृ दिवस एवं शिशु नगरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भैया-बहनों में माता-पिता के प्रति कर्तव्य का बोध कराना तथा आधुनिक समाज की बढ़ती कुरीतियों के दुष्प्रभाव से बचाना रहा।

प्राचीन मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश ने अपने माता-पिता की पूजा एवं परिक्रमा कर उनकी कृपा प्राप्त की, जिससे वे सर्वदेवों में श्रेष्ठ बने। इसी परंपरा को जीवंत करते हुए 14 फरवरी को माता-पिता पूजन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि तोमेश्वरी साहू (आचार्य, कसेकेरा ग्रामीण विद्यालय एवं जिला शिशु वाटिका प्रमुख) रहीं। अध्यक्षता ममता जगत (धर्मपत्नी शिवा जगत, पार्षद वार्ड नं. 14) ने की, जबकि विशेष अतिथि उमा यादव एवं जानकी चंद्राकर उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि श्रीमती साहू ने अपने उद्बोधन में उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए अत्यंत सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की पाँच अवस्थाएँ होती हैं, जिनमें बाल्यकाल सबसे महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी काल में दिए गए संस्कार व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन की दिशा और दशा निर्धारित करते हैं। यदि बचपन में अच्छे संस्कार मिल जाएँ, तो आगे चलकर वही बालक एक आदर्श नागरिक, श्रेष्ठ परिवार सदस्य और जिम्मेदार समाजसेवी बनता है।

गुरुकुल परंपरा व नैतिक शिक्षा के समन्वय पर बल : सिन्हा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों एवं शिष्टाचार का समावेश अत्यंत आवश्यक है। गुरुकुल परंपरा की मूल भावना को अपनाते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना समय की आवश्यकता है। उक्त विचार रूपनारायण सिन्हा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा पीएम श्री प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला अखरा (पाटन), जिला दुर्ग के वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए गए।

श्री सिन्हा ने कहा कि पीएम श्री

विद्यालय की संकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में की गई है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधायुक्त, गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र शिक्षा प्रदान करना है। इस पहल के अंतर्गत शिक्षा के साथ-साथ संगीत, खेल एवं योग जैसी गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेंद्र वर्मा द्वारा की गई। अतिथियों का शाला प्रबंधन समिति द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। वाषिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना, योगासन एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभावी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधिगण, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री व वनमंत्री ने पशुपालकों और बिहान दीदियों के साथ किया आधुनिक डेयरियों का भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अवलोकन

गुजरात के बनासकांठा की डेयरी क्रांति से सीख लेने पहुँचा छत्तीसगढ़ का दल

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप ने गुजरात के मेहसाणा जिले के बनासकांठा स्थित प्रसिद्ध दूधसागर डेयरी, बनास डेयरी एवं अमूल डेयरी का पशुपालकों एवं बिहान दीदियों के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने डेयरी की आधुनिक कार्यप्रणाली, तकनीकी नवाचारों और सहकारी मॉडल का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को डेयरी के अधिकारियों द्वारा संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उपमुख्यमंत्री एवं वन मंत्री ने डेयरी प्लांट, बायो-सीएनजी प्लांट, खाद्य तेल इकाई, आटा प्लांट तथा शेरपुरा डेयरी को ऑपरेटिव सोसायटी का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को करीब से समझा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह भ्रमण केवल अवलोकन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे सीखकर छत्तीसगढ़ में लागू करने का अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों से सफल डेयरी मॉडल, दुग्ध संकलन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रसंस्करण तकनीक और विपणन व्यवस्था का गहन अध्ययन करने को कहा।

उन्होंने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण से प्रतिभागियों को संतुलित चारा विकास, उन्नत पशुपालन तकनीक, दुग्ध प्रसंस्करण, डेयरी उत्पाद निर्माण तथा विपणन की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं और पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। बिहान समूहों के माध्यम से महिलाओं को संगठित कर आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, वहीं पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और आय संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

वन, पर्यावरण एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि डेयरी सहकारी मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम है। यदि इस मॉडल को छत्तीसगढ़ में प्रभावी ढंग से अपनाया जाए तो पशुपालकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि इस शैक्षणिक भ्रमण में 50 सदस्यीय दल ने उन्नत पशुपालन एवं डेयरी प्रबंधन सीखने के लिए भाग लिया है। जिसमें 25 पशुपालक एवं 25 बिहान (एनआरएलएम) समूह की दीदियाँ शामिल है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के साथ पूरे शैक्षणिक भ्रमण में उनके साथ शामिल हो रहे हैं।

निर्देश

वैवाहिक कार्यक्रमों के दौरान नियमों का पालन करने के लिए समझाया

शादी सीजन को लेकर पुलिस और मैरिज पैलेस संचालकों की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर में आगामी शादी सीज? को लेकर पुलिस ने व्हीआईपी रोड पर ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए होटल और मैरिज पैलेस संचालकों के साथ विशेष बैठक की। पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात विवेक शुक्ला और सहायक पुलिस आयुक्त यातायात सतीष ठाकुर ने लगभग 30 होटल और मैरिज पैलेस संचालकों को वैवाहिक कार्यक्रमों के दौरान नियमों का पालन करने के लिए समझाया।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी वैवाहिक सीजन (फरवरी से अप्रैल-मई तक) में व्हीआईपी रोड पर आयोजित होने वाले सभी विवाह समारोहों में किसी भी परिस्थिति में रोड पर बारात निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, होटल और मैरिज

पैलेस संचालक अपनी पार्किंग क्षमता के अनुसार ही कार्यक्रमों की बुकिंग करेंगे ताकि सड़क पर वाहनों की अतिक्रमण या जाम की स्थिति न बने। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मैरिज पैलेस के बाहर मुख्य मार्ग में वाहन खड़े न हों। इसके लिए प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम दो गार्ड तैनात करना अनिवार्य होगा। साथ ही बारात का आयोजन केवल होटल या मैरिज पैलेस के परिसर में ही किया जाएगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इन निर्देशों का उल्लंघन करने पर वैधानिक कारवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित होटल और मैरिज पैलेस संचालकों ने पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आगामी सीजन में यातायात सुचारु रखने के लिए वह पूरी सहयोगिता करेंगे।

पुलिस के अनुसार, व्हीआईपी रोड में शादी समारोहों के दौरान बारातों का रोड पर निकलना और वाहनों का मुख्य मार्ग पर पार्क होना हमेशा ट्रैफिक जाम का मुख्य कारण रहा है। इससे न केवल स्थानीय आवागमन प्रभावित होता है बल्कि माना एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह बैठक एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि आगामी शादी सीजन में व्हीआईपी रोड पर ट्रैफिक जाम की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी और यात्रियों एवं स्थानीय लोगों के लिए आवागमन सुगम बनेगा। पुलिस कमिश्नरेट ने सभी संचालकों से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करते हुए जनता के हित में सहयोग करें।

आध्यात्मिक मूल्यों व संस्कारों की पाठशाला है अघोर गुरु पीठ बनोरा : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ ब्रह्मनिष्ठालय पहुंचे। उन्होंने आश्रम के उपासना स्थल पर परम पूज्य अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया और उनके आदर्शों का स्मरण करते हुए प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने अघोरेश्वर के प्रिय शिष्य पूज्य बाबा प्रियदर्शी भगवान राम जी के दर्शन कर स्नेहिल आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा हमारी सबसे बड़ी धरोहर है

और अघोर गुरु पीठ जैसे संस्थान समाज को संस्कार, सेवा और सद्भाव का संदेश दे रहे हैं। यहाँ आकर आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत परंपरा समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा और नैतिक दिशा प्रदान करती है, जो जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा की भावना पहुँचाना ही सच्चा राष्ट्र निर्माण है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, पूर्व विधायक विजय अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संपादकीय

परमाणु विनाश का खतरा

परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत 1970 के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है।

पांच दशक में ऐसी स्थिति पहली बार आई है, जब दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा टालने की किसी संधि का अस्तित्व नहीं है। चार फरवरी को अमेरिका और रूस के बीच मौजूद न्यू स्टार्ट (स्ट्रेटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) की अवधि समाप्त हो गई। रूस ने अमेरिका से नई संधि होने तक न्यू स्टार्ट की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया। इस तरह अमेरिका और रूस अब असीमित संख्या में परमाणु हथियारों की तैनाती के लिए स्वतंत्र हैं। 2010 में हुई न्यू स्टार्ट के तहत दोनों देशों ने अधिकतम 1550 परमाणु अस्त्रों की तैनाती की सीमा तय की थी।

साथ ही प्रावधान था कि दोनों देश एक दूसरे की तैनाती के ठिकानों या अन्य परमाणु ठिकानों का निरीक्षण कर सकेंगे। इसके तहत अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों और पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती की संख्या भी तय थी। परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत 1970 के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका की दलील है कि चीन उसके लिए खतरा बन कर उभर रहा है, जो उपरोक्त संधि में शामिल नहीं था। चीन का कहना है कि उसके पास मौजूद परमाणु हथियार अमेरिका और रूस से बहुत कम हैं, इसलिए उसे इस विवाद में नहीं घसीटा जाना चाहिए।

एक आकलन के मुताबिक अमेरिका के पास कुल 3,700, रूस के पास 4,309 और चीन के पास लगभग 600 परमाणु हथियार हैं। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने गोल्डेन डोम परियोजना पर काम शुरू किया है। यह मिसाइल रक्षा कार्यक्रम है। रूस और चीन का कहना है कि इसका निर्माण होने के बाद सामरिक समीकरण बदल जाएंगे। उसे देखते हुए उन्हें अपने परमाणु अस्त्रागार और मजबूत करने होंगे। दलील यह भी है कि गोल्डेन डोम न्यू स्टार्ट की भावना का उल्लंघन है। इस तरह सभी महाशक्तियों ने तर्क ढूंढ लिए हैं, जिसके परिणास्वरूप दुनिया पर परमाणु विनाश का खतरा और सघन हो गया है।

बस्तर पर्यटन ने भरी नई उड़ान, वर्षों से लंबित योजनाओं को मिली गति

हरिशंकर व्यास

प्राकृतिक सौंदर्य, झरनों की कलकल ध्वनि, घने वनों की हरियाली और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण बस्तर अंचल अब पर्यटन विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। जिन पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर लंबे समय से अपेक्षाएँ थीं, वहाँ अब चरणबद्ध तरीके से आधारभूत एवं आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। राज्य शासन और पर्यटन विभाग के समन्वित प्रयासों से बस्तर के पर्यटन परिदृश्य में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देने लगा है।

प्रमुख स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार

विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, दंतेवाड़ा, बारसूर, नारायणपुर और कोंडागांव सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर सड़क संपर्क को बेहतर किया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सुव्यवस्थित पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, आधुनिक शौचालय, विश्राम शेड, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया गया है।

साथ ही, पर्यटकों को जानकारी उपलब्ध कराने हेतु सूचना केंद्र एवं हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। प्रमुख स्थलों पर आकर्षक व्यू-पॉइंट, सेल्फी जोन और सौंदर्यीकरण कार्यों से इन स्थलों की भव्यता और बढ़ी है।

टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर और डिजिटल पहल

जगदलपुर में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर के माध्यम से पर्यटकों को आवास, स्थानीय भ्रमण, गाइड सुविधा और अन्य आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल भुगतान और प्रचार-प्रसार के आधुनिक माध्यमों का उपयोग कर पर्यटन सेवाओं को अधिक सुगम बनाया गया है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर

पर्यटन विकास का सबसे सकारात्मक प्रभाव स्थानीय युवाओं के रोजगार पर पड़ा है। गाइड प्रशिक्षण, आतिथ्य सेवा, साहसिक पर्यटन गतिविधियों और होम-स्टे योजना के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। स्थानीय हस्तशिल्प, बेलमेटल कला, टेराकोटा और जनजातीय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है।

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान

पर्यटन विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र, हरित पट्टी विकास और जैव विविधता संरक्षण के प्रयासों से बस्तर की प्राकृतिक पहचान को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है।

सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा

बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक स्थलों से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं से भी है। बस्तर दशहरा, मड़ई महोत्सव और लोकनृत्य आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे देश-विदेश के पर्यटक बस्तर की अनूठी परंपराओं से परिचित हो रहे हैं।

दीर्घकालीन मास्टर प्लान पर कार्य

पर्यटन विभाग द्वारा बस्तर के समग्र विकास हेतु दीर्घकालीन मास्टर प्लान के अंतर्गत योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। भविष्य में साहसिक पर्यटन, इको-टूरिज्म, वाइल्डलाइफ टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को और सशक्त बनाने की दिशा में पहल जारी है। स्थानीय नागरिकों, पर्यटन व्यवसायियों और आगंतुकों ने इन विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि बस्तर आने वाले वर्षों में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

बस्तर का पर्यटन क्षेत्र अब नई ऊर्जा, नई सोच और समन्वित प्रयासों के साथ आगे बढ़ रहा है। सुविधाओं के विस्तार और सतत विकास की इस पहल से न केवल पर्यटकों का अनुभव बेहतर होगा, बल्कि स्थानीय समाज और अर्थव्यवस्था को भी स्थायी लाभ प्राप्त होगा।

रेडियो की विश्वसनीयता और एआई की गति मिलकर जनसेवा को बनायेंगे अधिक सशक्त : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम के नए गायन संस्करण का पेन ड्राइव लॉन्च किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को विश्व रेडियो दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए आकाशवाणी रायपुर और यूनेस्को को इस खास आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का विषय 'रेडियो और एआईइ अत्यंत सामयिक और उपयोगी है। सूचना क्रांति के इस युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सभी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में एआई के माध्यम से रेडियो को और अधिक जनोपयोगी बनाने पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही जानकारी नागरिकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसमें रेडियो की भूमिका शुरू से ही अत्यंत प्रभावी रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आकाशवाणी देश का सबसे भरोसेमंद समाचार प्रसारक है। निजी चैनलों के बीच तेजी से खबरें देने की प्रतिस्पर्धा के बावजूद आकाशवाणी ने अपनी विश्वसनीय, संतुलित और जनहितकारी सूचना परंपरा को बनाए रखा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यह सूचना, शिक्षा और स्वस्थ मनोरंजन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने रेडियो से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि जब दूरस्थ गांवों तक किसी अन्य माध्यम की पहुंच नहीं थी, तब रेडियो ही देश-दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम था। किसानों और ग्रामीण अंचलों के लिए आकाशवाणी आज भी विशेष भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बातइ जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम के लिए रेडियो का चयन इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आकाशवाणी के छह स्टेशन संचालित हैं तथा रायपुर से विविध भारती सेवा प्रसारित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रेडियो और एआईइ संचार के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकता है। एआई की मदद से कंटेंट को अधिक प्रभावी, सटीक और त्वरित बनाया जा सकता है। आपातकालीन सूचनाएं, मौसम पूर्वानुमान, कृषि सलाह और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अधिक तेजी और सटीकता से प्रसारित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ डिजिटल भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और तकनीकी सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे। नई औद्योगिक नीति के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है और डिजिटल तकनीक के जरिए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी के माध्यम से छत्तीसगढ़ी, गोंडी और हल्बी भाषाओं में प्रसारण से स्थानीय जुड़ाव मजबूत हुआ है और श्रोताओं की रुचि में वृद्धि हुई है।

अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो की विश्वसनीयता और एआई की गति मिलकर जनसेवा को और अधिक सशक्त बनाएंगी और विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प सभी के सहयोग से अवश्य साकार होगा। कार्यक्रम में यूनेस्को के रीजनल एडवाइजर ऑफ कम्युनिकेशन एंड इनफॉर्मेशन सुश्री हज्जाज माइअली ने सभी को विश्व रेडियो दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रेडियो पूरी दुनिया में सबसे अधिक पहुंच रखता है और सबसे अधिक भरोसे वाला माध्यम है। रेडियो ने कठिन समय में भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए दुनिया को सही सूचनाएं प्रदान की। सुश्री अली ने कहा कि एआई के माध्यम से रेडियो को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है और इस दिशा में ठोस प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी रायपुर छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा में पूरे प्रदेश विशेषकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों तक अपनी सेवाएं दे रहा है। सुश्री अली ने कहा कि यूनेस्को रेडियो के विस्तार के लिए आकाशवाणी के साथ मिलकर नवाचार और तकनीकी पहलुओं पर लगातार सहयोग करेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन, उप महानिदेशक व्ही. राजेश्वर, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

सौर सुजला योजना से आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों से पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की है, जिसका समर्थन मूल्य के तहत भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में 11 फरवरी को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में होली त्यौहार से पहले किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि देने का निर्णय लिया है। इस पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकारी शशिकांत द्विवेदी ने स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार इस वर्ष प्रदेश के 25.24 लाख से अधिक किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की है। धान के एवज में माकफेड द्वारा किसानों के बैंक खाते में 31 हजार 275 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार बीते तीन खरीफ विपणन सीजन से किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए की मान से धान खरीदी कर अपने वायदे को पूरा कर रही है। मंत्री परिषद के इस निर्णय से किसानों में उत्साह का माहौल है। होली त्यौहार के पहले ही अंतर की राशि का भुगतान होने होली त्यौहार की खुशी का उत्साह और दोगुनी हो जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकारी शशिकांत द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत पिछले दो वर्षों में किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

जल जीवन मिशन से बदला जीवन, हर घर नल से मिल रहा स्वच्छ पेयजल, महिलाओं को मिली बड़ी राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ने दूरस्थ अंचलों में ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। मिशन के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचने से विशेषकर महिलाओं को बड़ी राहत मिली है। अब उन्हें रोजाना पानी के इंतजाम में घंटों समय नहीं बिताना पड़ता, जिससे वे आजीविका, बच्चों की देखभाल और परिवार को अधिक समय दे पा रही हैं।

जिला गरियाबंद के बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत की बसाहट महेंद्रगढ़ में मिशन के तहत सोलर आधारित पेयजल योजना संचालित की जा रही है। मुख्य मार्ग से लगभग दो किलोमीटर कच्ची सड़क और जंगल से गुजरकर इस गांव तक पहुंचा जाता है। मिशन के अंतर्गत यहां प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन 55 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बसाहट के सभी घरों में नल कनेक्शन प्रदान कर सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

पहले हैंडपंप और तालाब पर निर्भर थे ग्रामीण

खेती और मजदूरी पर आश्रित महेंद्रगढ़ के ग्रामीण पहले गांव के दो हैंडपंप, तीन कुओं और 1-2 किलोमीटर दूर स्थित तालाब पर निर्भर थे। वर्षा जल पर निर्भरता के कारण वर्ष में 4-5 महीनों तक गंभीर जल संकट बना रहता था। गांव की श्रीमती दूरपत बाई बताती हैं कि पहले कुएं और तालाब से पानी लाना अत्यंत कठिन था। बरसात में पानी गंदा हो जाता था, जिससे खाना बनाना और बर्तन धोना मुश्किल हो जाता था तथा पेट संबंधी समस्याएं भी होती थीं। अब घर में नल लगने से स्वच्छ पानी आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इससे स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और घरेलू कार्यों में सुविधा बढ़ी है।

महिलाओं को मिली राहत, बच्चों की पढ़ाई में सुधार

गांव की बुजुर्ग दासो बाई बताती हैं कि नल कनेक्शन मिलने के बाद महिलाओं और बच्चों को रोज हैंडपंप या कुएं पर जाने की आवश्यकता नहीं रही। इससे घरेलू कार्य व्यवस्थित हुए हैं और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित नहीं हो रही है। अब पर्याप्त पानी मिलने से ग्रामीण अपने घरों में साग-सब्जी भी उगा रहे हैं, जिससे पोषण स्तर में भी सुधार हो रहा है।

समग्र विकास की ओर बढ़ता कदम

जल जीवन मिशन के माध्यम से न केवल स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य, समय प्रबंधन और आर्थिक गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव आया है। यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल साबित हो रही है।

धान प्रबंधन में प्रशासनिक दक्षता और नेतृत्व का समन्वय मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का उभरता मॉडल

महेन्द्र सिंह

धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले ने धान उपार्जन और उठाव प्रक्रिया को जिस प्रभावी ढंग से संचालित किया है, वह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के बीच विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में धान प्रबंधन की सफलता सीधे तौर पर किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की गति से जुड़ी होती है। ऐसे में जिले का यह अभियान प्रशासनिक योजना, संसाधन प्रबंधन और संवेदनशील नेतृत्व की समन्वित कार्यशैली को दर्शाता है।

प्रशासनिक रणनीति और क्रियान्वयन की प्रभावशीलता

इस वर्ष जिले के 19 हजार 58 किसानों से 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल से अधिक धान का उपार्जन किया गया, जो सरकारी खरीदी प्रणाली के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत है। कुल खरीदी में से 3 लाख 6 हजार 170 क्विंटल धान का 34.84 प्रतिशत उठाव अब तक पूरा होना यह दर्शाता है कि प्रशासन ने खरीदी के साथ-साथ उठाव को भी समान प्राथमिकता दी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि केवल लक्ष्य निर्धारित करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग और सतत निगरानी भी उतनी ही आवश्यक होती है।

संसाधन प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था का विश्लेषण

धान उठाव की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भंडारण और परिवहन प्रबंधन होती है। जिले में ट्रकों की समयबद्ध उपलब्धता, मिलों तक सीधी आपूर्ति और लोडिंगइअनलोडिंग के लिए पर्याप्त श्रमिकों की तैनाती से उपार्जन केंद्रों पर दबाव कम हुआ है। यह मॉडल दिखाता है कि यदि लॉजिस्टिक प्रबंधन मजबूत हो, तो बड़े पैमाने पर कृषि उपज का संचालन भी सुचारू रूप से संभव है। डिजिटल मॉनिटरिंग और नियमित समीक्षा बैठकों ने निर्णय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया है।

नेतृत्व और नीति-निर्देशन की भूमिका

राज्य स्तर पर स्पष्ट नीति और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले के अभियान को दिशा प्रदान की है। खरीदी से लेकर उठाव तक प्रत्येक चरण को समयबद्ध और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया, जिससे किसानों को भुगतान और मूल्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। नेतृत्व की यह स्पष्टता प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही और कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रमुख कारण बनी है।

चुनौतियां और समाधान की प्रक्रिया

हालांकि कुछ उपार्जन केंद्रों पर उठाव की गति अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन प्रशासन ने इसे समस्या के रूप में स्वीकार करते हुए अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, परिवहन मार्गों की निगरानी और श्रमिकों की संख्या में वृद्धि जैसे त्वरित निर्णय लिए। यह दर्शाता है कि अभियान केवल उपलब्धियों पर केंद्रित नहीं रहा, बल्कि चुनौतियों के समाधान को भी प्राथमिकता दी गई।

किसानों का विश्वास और सामाजिक प्रभाव

19 हजार से अधिक किसानों की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। समय पर खरीदी और उठाव से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। यह अभियान प्रशासन और किसान के बीच संवाद और सहयोग की नई मिसाल भी प्रस्तुत करता है।

आर्थिक प्रभाव और दीर्घकालिक महत्व

धान उठाव की तेज गति से मिलों में प्रसंस्करण कार्य शीघ्र प्रारंभ हुआ, जिससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण बाजारों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं। परिवहन और श्रमिक सेवाओं के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। दीर्घकालिक दृष्टि से यह मॉडल कृषि प्रबंधन को अधिक पेशेवर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का धान प्रबंधन अभियान यह स्पष्ट करता है कि मजबूत नीति, संवेदनशील नेतृत्व, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से बड़े कृषि अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है। यह मॉडल न केवल सुशासन की मिसाल है, बल्कि भविष्य में अन्य जिलों के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका भी बन सकता है। किसानों के विश्वास, प्रशासनिक दक्षता और आर्थिक सुदृढ़ता के समन्वय से यह अभियान ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है।

सेल को तीसरी बार ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाणन ; निदेशक प्रभारी को मिला प्रमाणपत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई भारत की अग्रणी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को फरवरी 2026 से फरवरी 2027 की अवधि के लिए प्रतिष्ठित ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। संगठन में सुदृढ़ कार्य-संस्कृति, पारदर्शिता और कर्मचारियों के विश्वास की परिचायक यह उपलब्धि सेल को लगातार तीसरे वर्ष प्राप्त हुई है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में यह प्रमाणपत्र निदेशक प्रभारी, चित्त रंजन महापात्र को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (एचआर-वर्क्स) संजय द्विवेदी तथा उप महाप्रबंधक (एचआर-मिल्स ,एम एंड एस) प्रताप शेखर नायक भी उपस्थित थे।

निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि यह मान्यता सेल की सभी इकाइयों में विश्वास, पारदर्शिता एवं कर्मचारी सहभागिता पर आधारित कार्य-संस्कृति के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करती है। उन्होंने उल्लेख किया कि भिलाई इस्पात संयंत्र ने सहभागितापूर्ण प्रबंधन पद्धतियों को सुदृढ़ करने तथा कंपनी के मूल्यों के अनुरूप सकारात्मक एवं उच्च-प्रदर्शनकारी कार्य वातावरण विकसित करने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

यह प्रमाणन ग्रेट प्लेस टू वर्क संस्थान द्वारा कर्मचारियों से प्राप्त फीडबैक पर आधारित व्यापक मूल्यांकन के उपरांत प्रदान किया गया है। ट्रस्ट इंडेक्स सर्वेक्षण के माध्यम से किए गए इस आकलन में वर्ष 2026 में सेल का ट्रस्ट इंडेक्स स्कोर बढ़कर 83 हो गया, जो वर्ष 2025 में 77 तथा वर्ष 2024 में 73 था। यह वृद्धि नेतृत्व एवं कार्य-संस्कृति के प्रति कर्मचारियों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। सर्वेक्षण में सेल के लगभग 3,100 कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें से लगभग 900 कर्मचारी भिलाई इस्पात संयंत्र से थे।

सर्वेक्षण के पाँच प्रमुख आयामों में प्रबंधन की विश्वसनीयता में कर्मचारियों के प्रति सम्मान में, कार्यस्थल पर निष्पक्षता में, संगठन पर गर्व में तथा आपसी सहयोग एवं सौहार्द में उत्कृष्ट अंक प्राप्त हुए। यह उपलब्धि सेल के लिए कर्मचारी-केन्द्रित दृष्टिकोण और सशक्त संगठनात्मक संस्कृति की निरंतर प्रगति का प्रतीक है।

खास खबर

अंडा थाना परिसर में महाशिवरात्रि पर नए शिवलिंग की स्थापना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अंडा थाना परिसर में विधि-विधान के साथ नए शिवलिंग की स्थापना की गई। इस अवसर पर थाना परिसर में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत मंत्रोच्चार एवं रुद्राभिषेक के साथ हुई। पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच शिवलिंग की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। इस दौरान थाना प्रभारी सहित पुलिस स्टाफ एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम से थाना परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। उपस्थित लोगों ने भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और अपराधमुक्त समाज की प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारों के साथ आयोजन को सफल बनाया।

कलेक्टर ने आईटी पार्क और नालन्दा परिसर का किया निरीक्षण

दुर्ग। जिला मुख्यालय दुर्ग में आईटी पार्क शीघ्र प्रारंभ होने जा रही है, भवन एवं परिसर में सभी आवश्यक तैयारी द्रुत गति से पूरी की जा रही है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आईटी पार्क का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निगम आयुक्त दुर्ग को भवन की आवश्यक मरम्मत, रंग रोगन, कमरों में विद्युत कनेक्शन, परिसर में प्रकाश व्यवस्था एवं गाडनिंग, नेट सुविधाएं तथा आईटी कम्पनियों को आवश्यकता के मुताबिक कमरे आदि प्रबंध करने निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि विगत दिवस दुर्ग आईटी पार्क हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी की मौजूदगी में आईआईटी भिलाई और विभिन्न 40 आईटी कम्पनियों के मध्य एमओयू सम्पन्न हुआ है। कलेक्टर श्री सिंह ने दुर्ग में निर्माणाधीन नालन्दा परिसर, पुलगांव नाला एसटीपी और निर्माणाधीन वृद्धाश्रम के अद्यतन प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कांट्रेक्टरों को निर्माण कार्य को समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता एवं निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिंगदई में बना सामुदायिक भवन, महापौर मधुसूजन यादव के हाथो हुआ लोकार्पण

दो दिवसीय जस झाकी प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर निगम द्वारा सिंगदई वार्ड नं. 50 में अधोसंरचना मद अंतर्गत 12 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है। जिसका महापौर मधुसूदन यादव ने वाडर्वासियो की उपस्थिति में एक संक्षिप्त एवं गरिमामय आयोजन में फीता काटकर पट्टीका का अनावरण कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद एवं उपनेता प्रतिपक्ष मुकेश साहू सहित पूर्व पार्षद भरत साहू, राकेश रावटे व अरूण देवांगन विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर महापौर यादव ने वार्ड में आयोजित दो दिवसीय जस झाकी प्रतियोगिता का शुभारंभ भी किया।

लोकार्पण कार्यक्रम में अपने संबोधन में महापौर श्री यादव ने कहा कि, आप लोगो की मांग पर सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया, जिसका लोकार्पण किया जा रहा है। भवन निर्माण होने से वार्ड के लोगों को सामाजिक, धार्मिक एवं अन्य आयोजनों के लिये एक सवसुविधायुक्त उचित स्थान मिल गया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे के सहयोग से शहर के सभी वार्ड मे विकास कार्य कराए जा रहे है। भवन के सामने शेड निर्माण की मांग की गयी है जिसे भी जल्द पूरा किया जायेगा। साथ ही सुलभ शौचालय तथा आंगनबाडी भवन का भी मरम्मत कराया जायेगा।

महापौर श्री यादव ने कहा कि आज सिंगदई की पावन धरा में आयोजित दो दिवसीय जस झाकी प्रतियोगिता के शुभारंभ करने का अवसर मिला। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन के लिए मै सिंगदई वासियो को धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि जस प्रतियोगिता में माता के चरित्रों का झाकी के माध्यम से विभिन्न मण्डलियो द्वारा प्रस्तुति दी जाती है। प्रतियोगिता के बाद इसे भुलना नही है बल्कि इसे हमे आत्मसात कर अपने जीवन में अमल करना है।

उपनेता प्रतिपक्ष व वार्ड पार्षद मुकेश साहू ने कहा कि वार्डवासियों की सुविधा के लिये भवन का निर्माण किया गया, आज लोकार्पण करने उपस्थित होने के लिए मै महापौर मधुसूदन यादव का वाडर्वासियों की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ तथा आंगनबाडी एवं शौचालय मरम्मत एवं शेड लगाने की घोषणा करने पर आभार व्यक्त करते हुये वार्ड के काम में इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा करता हूँ।

कार्यक्रम के पूर्व में वार्ड के टीकम निषाद, जीवन मानिकपुरी, राहुल निषाद, टीकेश वैष्णव, पूनेश कुंजाम, किशन साहू, डोमन निषाद, महेन्द्र दास वैष्णव, ननकी बाई साहू, अश्वनी साहू, तिलक निषाद ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात अतिथियों ने पूजा अर्चनाकर सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया। लोकार्पण पश्चात महापौर श्री यादव ने जस झाकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सिंगदई वासी बडी संख्या में उपस्थित थे।

संयंत्र में कोडिफिकेशन प्रणाली व क्रय प्रक्रियाओं में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के क्रियान्वयन पर हुआ संवाद सत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सभागार में नियोजित अधिकारियों एवं इंडेंटर्स के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का मुख्य विषय आइटम कोडिफिकेशन प्रणाली में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्रियान्वयन तथा क्रय प्रक्रियाओं से संबंधित महत्वपूर्ण एवं समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श रहा, जिससे क्रय प्रणाली को अधिक सुगम, पारदर्शी एवं दक्ष बनाया जा सके।

सत्र के तकनीकी भाग में कोडिफिकेशन प्रणाली में एआई के क्रियान्वयन पर विस्तृत प्रस्तुति वरिष्ठ प्रबंधक (ए एंड डी विभाग) एस. पी. राजकुमार द्वारा दी गई। उन्होंने एआई उपकरणों के माध्यम से आइटम कोडिफिकेशन में शुद्धता, दक्षता एवं मानकीकरण को सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। तकनीकी परीक्षण से संबंधित विषयों पर सहायक महाप्रबंधक सिद्धार्थ ने प्रस्तुति दी। आईटीओ, एसटीओ एवं आईपीटी से संबंधित प्रक्रियाओं एवं विवरणों की जानकारी वरिष्ठ प्रबंधक (स्टोर्स) रवि कुमार द्वारा प्रस्तुत की गई। मुख्य महाप्रबंधक के. सी. मिश्रा ने क्रय एवं कोडिफिकेशन प्रणाली में एआई के व्यावहारिक पहलुओं एवं इसकी रणनीतिक महत्ता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

अपने समापन संबोधन में कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रवर्ती द्वारा नियोजन अधिकारियों को कोडिफिकेशन में एआई आधारित प्रणालियों को सक्रिय रूप से अपनाने तथा विकसित होती क्रय प्रक्रियाओं के अनुरूप अद्यतन रहने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे संगठनात्मक दक्षता एवं पारदर्शिता को और सुदृढ़ किया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक सुश्री वामिनी ताम्रकार ने किया। इस सत्र में विभिन्न विभागों के नियोजन अधिकारियों के साथ-साथ मुख्य महाप्रबंधकगण की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम में 150 से अधिक अधिकारियों की उपस्थिति रही, जिससे यह सत्र अत्यंत सफल एवं सार्थक सिद्ध हुआ।

सीईओ ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना- ग्रामीण अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का किया औचक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम तेंदूनाला, आसरा एवं बोदेला में प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया और आवास निर्माण को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने योजना के तहत अप्रारंभ आवास के हितग्राहियों से मिलकर आवास निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया। सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत रोजगार सहायक, सचिव, आवास नोडल को अपूर्ण आवास का निरीक्षण करने एवं हितग्राहियों को आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान करने निर्देशित किया।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने अभिशरण के माध्यम से जारी किए जा रहे 90 मानव दिवस की स्थिति पर ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आवास निर्माण में रूचि नहीं लेने वाले एवं राशि का दुरूपयोग करने वाले हितग्राहियों के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई करने निर्देशित किया। उन्होंने आवास निर्माण की निरंतर समीक्षा करने एवं लापरवाही करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाही हेतु प्रकरण प्रेषित करने निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती रोशनी भगत टोप्पो, प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण से जिला समन्वयक प्रशांत साहू, विकासखंड समन्वयक एवं ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बसंतपुर पुलिस ने गुम मोबाइल लौटाए

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले की बसंतपुर थाना पुलिस ने गुम मोबाइल तलाशने के अभियान में सफलता हासिल करते हुए 10 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। बरामद मोबाइल की कुल कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये बताई जा रही है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से की गई। थाना बसंतपुर में प्राप्त शिकायतों के आधार पर पुलिस ने त्वरित जांच करते हुए विभिन्न कंपनियों के मोबाइल ट्रेस किए और थाना परिसर में विधिवत सुपुर्द कर दिया। मोबाइल वापस मिलने पर प्राथियों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को लावारिस या गुम मोबाइल मिले, तो उसका उपयोग न करें बल्कि नजदीकी थाने में जमा कराएं। गौरतलब है कि जनवरी 2026 में भी इसी अभियान के तहत 12 मोबाइल फोन (करीब 1.70 लाख रुपये कीमत) बरामद कर लौटाए गए थे। पुलिस का कहना है कि गुम मोबाइलों की तलाश का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस पूरी कारवाई में थाना प्रभारी एमन साहू सहित पुलिस टीम के अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बघेरा के स्मार्ट मीटर जागरूकता शिविर में 113 उपभोक्ताओं ने डाउनलोड किया मोर बिजली ऐप

25 शंकाओं का मौके पर हुआ किया गया समाधान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत बघेरा जोन के तहत गया बाई गवर्नमेंट स्कूल के सामने आयोजित स्मार्ट मीटर जागरूकता पखवाड़ा शिविर उपभोक्ताओं के लिए बेहद मददगार साबित हुआ। बिजली विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष शिविर में न केवल तकनीक के प्रति जागरूकता बढ़ी, बल्कि मौके पर ही शिकायतों का निपटारा कर उपभोक्ताओं को त्वरित राहत प्रदान की गई।

शिविर के दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की बारीकियों से अवगत कराया गया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 113 उपभोक्ताओं ने मौके पर ही अपने मोबाइल में मोर बिजली ऐप डाउनलोड किया। अधिकारियों ने उन्हें ऐप के माध्यम से बिजली खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और ऑनलाइन बिल भुगतान की प्रक्रिया सिखाई। शिविर में अपनी शंकाएं लेकर पहुंचे 25 उपभोक्ताओं की शंकाओं का विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान किया गया। कार्यक्रम में 63 उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर की उपयोगिता और विभाग की इस पहल पर अपना सकारात्मक फीडबैक दर्ज कराया।

शिविर में स्थानीय पार्षदों और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जनप्रतिनिधियों में पार्षद वार्ड नंबर 03 गया नगर नरेंद्र बंजारे और पार्षद वार्ड नंबर 04 राजीव नगर श्रीमती लीना दिनेश देवांगन शामिल हुए। विभागीय टीम का नेतृत्व अधीक्षण अभियंता, नगर वृत्त दुर्ग जे. जे. प्रसाद और कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग दुर्ग आर. के. दानी ने किया। साथ ही कार्यपालन अभियंता सुश्री गीता ठाकुर, सहायक अभियंता श्रीमती अंजू देसाई, कनिष्ठ अभियंता श्रीमती कुमुद और सुरेश सोनी ने उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभ समझाए।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि स्मार्ट मीटर न केवल सटीक बिलिंग सुनिश्चित करता है, बल्कि उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत पर नियंत्रण रखने की शक्ति भी देता है। पार्षदों ने विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उपभोक्ताओं और विभाग के बीच विश्वास बढ़ता है।

आड़ा –तिरछा व फैंसी नंबर प्लेट लगे 38 वाहनों पर यातायात पुलिस की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक नवरतन कश्यप के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाएं रखने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वाहनों में आड़ा-तिरछा, अस्पष्ट एवं फैंसी नंबर प्लेट लगे 38 वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगा।

यातायात पुलिस की वाहन मालिकों से अपील है कि वे अपनी गाड़ियों पर तिरछी, स्टाइलिश या गलत तरीकों से नंबर प्लेट न लगवाएं। केवल शासन द्वारा निर्धारित मानक नंबर प्लेट (HSRP) ही लगाएं तथा नियमों का पालन करें। नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिल्कुल सीधी, रोशनी में स्पष्ट रूप से पढ़ने योग्य और एचएसआरपी युक्त होनी चाहिए।

3 ही नहीं इतने पत्तों वाले चढ़ाएं बेलपत्र, भगवान शिव की मिलेगी असीम कृपा

भोले बाबा का आशीर्वाद हर किसी को चाहिए होता है। इसलिए हर कोई उन्हें प्रसन्न करने के लिए उनकी आराधना करता है। वहीं कुछ लोग उनकी पूजा-पाठ में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। लेकिन कहते हैं न की हमारे शिव को कुछ नहीं चाहिए होता वो सिर्फ अपने भक्तों की भक्ति देखकर ही खुश हो जाता है। ऐसे में अगर आप उन्हें एक बेलपत्र भी चढ़ा देते। तब भी आपको आशीर्वाद मिल जाएगा। लेकिन हर बार भगवान शिव को हम 3 पत्तियों वाला बेलपत्र चढ़ाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हम इसकी ही महत्वता जानते हैं। लेकिन आप चाहें तो इसके अलावा और भी पत्तियों के बेलपत्र चढ़ा सकते हैं। चलिए जानते हैं उनका क्या महत्व होता है।

4 पत्तों वाले बेलपत्र का महत्व

अक्सर ऐसा कहा जाता है कि हमें 3 पतियों वाला ही बेलपत्र चढ़ाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है आप 4 पते वाले बेलपत्र को भी भगवान शिव को अर्पित कर सकते हैं। इसमें भगवान बुध भवन, मां पार्वती, जेष्ठ पुत्र कार्तिकेय और लाड़ले पुत्र गजानंद स्वामी चारों का जो है निवास होता है। इससे घर में सुख समृद्धि आती है। इसलिए इसे चढ़ाना भी शुभ माना जाता है।

5 पत्तियों वाला बेलपत्र का महत्व

पांच पत्तियों वाले बेलपत्र का अर्थ होता है पंचदेव या शिव परिवार के दर्शन करना। इसका मिलना ही सौभाग्य की बात है। इसके मिलने का अर्थ है कि शिवजी की अपार कृपा है। भगवान शिव प्रसन्न करना है और भक्तों की सभी इच्छा पूर्ण होने का आशीर्वाद पाना है तो इन्हें अर्पित करने से पंचदेव सहित शिव परिवार की पूजा का फल मिलता है।

6 पत्तियों वाला बेलपत्र का महत्व

ऐसे ही आप भगवान शिव को महाशिवरात्रि के मौके पर 6 पत्तियों वाले बेलपत्र को चढ़ा सकते हैं। इससे आपको अपने कष्टों और सारे पापों से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, आप भगवान की भक्ति में लीन हो जाएंगे। इस तरह के बेलपत्र आपको बहुत मुश्किल से मिलेंगे। साथ ही, इसे चढ़ाने का तरीका भी आपको पंडित जी से जानना पड़ेगा। 3 नहीं इस बार इन पत्तियों वाले बेलपत्र को भगवान शिव को अर्पित करें। इससे आपकी किस्मत चमक जाएगी। साथ ही, आप भगवान शिव को प्रसन्न कर पाएंगे।

महाशिवरात्रि की पूजा विधि

- महाशिवरात्रि के दिन प्रातः काल उठकर स्नान आदि करके पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव शंकर के आगे व्रत का संकल्प लें।
- संकल्प के दौरान उपवास की अवधि पूरा करने के लिए शिव जी का आशीर्वाद लें।
- इसके अलावा आप व्रत किस तरह से रखेंगे यानी कि फलाहार या फिर निर्जला ये भी संकल्प लें।
- फिर शुभ मुहूर्त में पूजा प्रारंभ करें।
- सबसे पहले भगवान शंकर को पंचामृत से स्नान कराएं।
- साथ ही केसर के 8 लोटे जल चढ़ाएं और पूरी रात्रि का दीपक जलाएं। इसके अलावा चंदन का तिलक लगाएं।
- बेलपत्र, भांग, धतूरा भोलेनाथ का सबसे पसंदीदा चढ़ावा है।
- इसलिए तीन बेलपत्र, भांग, धतूरा, जायफल, कमल गट्टे, फल, मिष्ठान, मीठा पान, इत्र व दक्षिणा चढ़ाएं।
- सबसे बाद में केसर युक्त खीर का भोग लगा कर सबको प्रसाद बांटें।

महाशिवरात्रि के रहस्य

वैसे तो शिवरात्रि हर महीने आती है, लेकिन फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शिवरात्रि को विशेष महत्व दिया गया है. इसे महाशिवरात्रि के नाम से जाना जाता है. मान्यता है कि इसी दिन शिवजी और माता पार्वती का विवाह हुआ था. इस साल महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी को पड़ रहा है.

प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि या मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। इसे ही प्रदोष भी कहा जाता है। जब यही प्रदोष श्रावण माह में आता है तो उसे वर्ष की मुख्य शिवरात्रि माना जाता है। दूसरी ओर फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी पर पड़ने वाली शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है, जिसे बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने का विशेष महत्व और विधान है।

बोधोत्सव – शिवरात्रि बोधोत्सव है। ऐसा महोत्सव, जिसमें अपना बोध होता है कि हम भी शिव का अंश हैं, उनके संरक्षण में हैं।

अवतरण दिवस – माना जाता है कि सृष्टि की शुरुआत में इसी दिन आधी रात में भगवान शिव का निराकार से साकार रूप में (ब्रह्म से रुद्र के रूप में) अवतरण हुआ था। यह भी माना जाता है कि इसी रात्रि को भगवान शंकर का रुद्र के रूप में ब्रह्मा से अवतरण हुआ था। विष्णु से ब्रह्मा और ब्रह्मा से रुद्र की उत्पत्ति मानी जाती है।

प्रकटोत्सव – ईशान संहिता में बताया गया है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात आदि देव भगवान श्रीशिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभा वाले लिंगरूप में प्रकट हुए थे।

चंद्र शिव का मिलन – ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि में चंदमा सूर्य के नजदीक होता है। उसी समय जीवनरूपी चंद्रमा का शिवरूपी सूर्य के साथ योग-मिलन होता है। इसलिए इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने का विधान है। सूर्यदेव इस समय पूर्णतः उत्तरायण में आ चुके होते हैं तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यन्त शुभ कहा गया है।

जलरात्रि – प्रलय की बेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से भस्म कर देते हैं। इसलिए इसे महाशिवरात्रि या जलरात्रि भी कहा गया है।

ज्योतिर्लिंग प्रकटोत्सव – भस्म करने के बाद सृष्टि की जगह बहुत काल तक यही जलरात्रि या महारात्रि छाई रही। देवी पार्वती ने इसी रात्रि को शिव की पूजा कर उनसे पुनः सृष्टि रचना की प्रार्थना की इसीलिए इसे शिव की पूजा की रात्रि कहा जाता है। फिर इसी रात्रि को भगवान शंकर ने सृष्टि उत्पत्ति की इच्छा से स्वयं को ज्योतिर्लिंग में परिवर्तित किया।

विवाहोत्सव – इस दिन भगवान शंकर की शादी भी हुई थी। इसलिए रात में शंकर की बारात निकाली जाती है। रात में पूजा कर फलाहार किया जाता है। अगले दिन सवेरे जौ, तिल, खीर और बेल पत्र का हवन करके व्रत समाप्त किया जाता है।

जीव और शिव के मिलन की रात्रि – माना जाता है कि इसी रात्रि को भगवान शिव और पार्वती का विवाह हुआ था। तत्ववेत्ताओं द्वारा इसे जीव और शिव के मिलन की रात्रि कहा जाता है। इसीलिए इस रात्रि को महिलाएं अच्छे पति, वैवाहिक सुख और पति की लंबी आयु की कामना से भी मनाती हैं।

विषपान करके बने नीलकंठ – शैव पंथ में रात्रियों का महत्व अधिक है। हिंदू धर्मग्रंथानुसार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि की रात्रि से संबंधित कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। यह भी कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान जब समुद्र से विष (हलाहल) उत्पन्न हुआ तो भगवान शंकर ने उक्त विष को पीकर अपने कंठ में सजा लिया इसीलिए उन्हें नीलकंठ कहा जाता है। विषपान की इस रात्रि की याद में भी महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है।

शिवरात्रि पूजा – प्रत्येक प्रांत में शिव पूजा और उत्सव को मनाने के तरीके भिन्न-भिन्न हो सकते हैं किंतु पूजा में शिव को आंकड़े का फूल और बिल्व पत्र ही चढ़ाया जाता है और जहां भी उनका ज्योतिर्लिंग है वहां भस्म आरती, रुद्राभिषेक और जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन किया जाता है। उक्त पूजा के बाद ही उत्सव का आयोजन होता है जिसमें कुछ लोग भाँग पीते हैं और रातभर जागरण करते हैं।

शिवरात्रि और महाशिवरात्रि का फर्क

कभी आपने यह नहीं सुना होगा कि होली या महाहोली, दीपावली या महादीवावली, नवरात्रि या महानवरात्रि। लेकिन आपने दो शब्द कैलेंडर में पढ़े होंगे, एक शिवरात्रि और दूसरा महाशिवरात्रि। आखिर शिवरात्रि और महाशिवरात्रि में फर्क क्या है?

शिवरात्रि- भगवान शिव का सोमवार और प्रदोष दिन नियुक्त है। हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि कहते हैं। इसे ही प्रदोष भी कहा जाता है। इसे मासिक शिवरात्रि भी कहते हैं। जब यही प्रदोष श्रावण माह में आता है तो वह बड़ी शिवरात्रि मानी जाती है। श्रावण मास की चतुर्दशी को शिवरात्रि भी धूम-धाम से मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि- फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी पर पड़ने वाली शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है, जिसे बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने का विशेष महत्व और विधान है। कहते हैं कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में आदिदेव भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिंग रूप में प्रकट हुए-

फाल्गुनकृष्णचतुर्दश्यामादिदेवो महानिशि।
शिवलिंगतयोद्भूतः कोटिसूर्यसमप्रभः।।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि में चंदमा सूर्य के नजदीक होता है। उसी समय जीवनरूपी चंद्रमा का शिवरूपी सूर्य के साथ योग-मिलन होता है। सूर्य देव इस समय पूर्णतः उत्तरायण में आ चुके होते हैं तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यन्त शुभ कहा गया है।

महाशिवरात्रि का महत्व

शिवरात्रि बोधोत्सव है। ऐसा महोत्सव, जिसमें अपना बोध होता है कि हम भी शिव का अंश हैं, उनके संरक्षण में हैं। माना जाता है कि सृष्टि की शुरुआत में इसी दिन आधी रात में भगवान शिव का निराकार से साकार रूप में (ब्रह्म से रुद्र के रूप में) अवतरण हुआ था। ईशान संहिता में बताया गया है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात आदि देव भगवान श्रीशिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभा वाले लिंगरूप में प्रकट हुए। प्रलय की बेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से भस्म कर देते हैं। इसलिए इसे महाशिवरात्रि या जलरात्रि भी कहा गया है। इस दिन भगवान शंकर की शादी भी हुई थी। इसलिए रात में शंकर की बारात निकाली जाती है। रात में पूजा कर फलाहार किया जाता है। अगले दिन सवेरे जौ, तिल, खीर और बेल पत्र का हवन करके व्रत समाप्त किया जाता है।

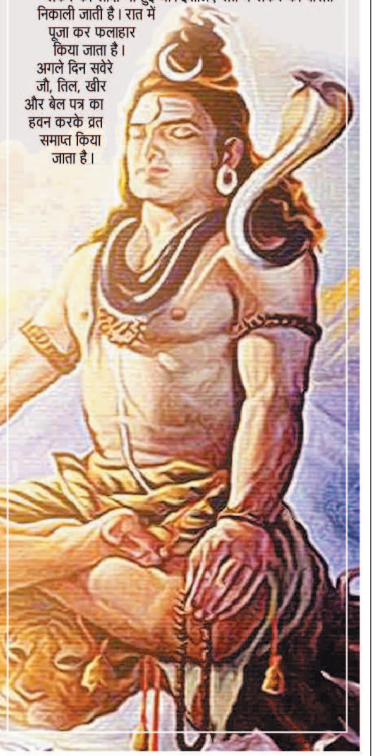

महाशिवरात्रि के दिन सप्तधान की शिवा मुट्ठी से प्रसन्न होंगे भोलेनाथ

शिवरात्रि पर भगवान शिव को बिल्वपत्र, धतूरा, आंकड़ा, पंचामृत, जल आदि अर्पित किया जाता है। इसी के साथ सप्तधान की शिवा मुट्ठी को चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। आओ जानते हैं कि क्या है यह शिवा मुट्ठी और किस तरह करते हैं इसे अर्पित।

क्या है सप्तधान की शिवा मुट्ठी

इस में कच्चे चावल, सफेद तिल, खड़े मूंग, जौ और सतुआ। आमतौर पर यह धान सावन माह के प्रति सोमवार को एक-एक मुट्ठी अर्पित किए जाते हैं परंतु यहां उक्त सभी में ज्वार और गेंहू मिलाकर एक मुट्ठी महाशिवरात्रि पर शिवजी के समक्ष अर्पित करें। इसके लिए किसी विद्वान से पूछकर यह कार्य करें।

शिवा मुट्ठी चढ़ाने से पहले शिवजी का जलाभिषेक करें फिर शिवजी को पंचामृत चढ़ाएं। इसके बाद शिवजी को जल से पुनः स्नान कराने के बाद 108 बेलपत्र पर ऊं नमः शिवाय लिखकर चढ़ाएं। इसके बाद शिवजी को इत्र अर्पित करें। फिर पीली धोती शिवलिंग पर चढ़ाएं और साथ में माता पार्वती को चुनरी चढ़ाएं। इसके बाद पूरे शिव परिवार को जल दें और पूजा करें। अंत में शिवा मुट्ठी अर्पित करें।

फायदे

शिवामुट्ठी अर्पित करने से भोलेनाथ प्रसन्न होकर जातक के जीवन के सभी कष्ट दूर कर देते हैं और जीवन में धन-धान्य, सुख-शांति आदि का आशीर्वाद देते हैं।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य
10 सरल अभिषेक

महाशिवरात्रि शिव जी का अत्यंत प्रिय पर्व है, इस दिन भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए यहां जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग प्राप्त होता है।

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

महाशिवरात्रि का दिन बढ़ाता है शुभ ऊर्जा और विश्वास

एक समय था जब भारतीय संस्कृति में 365 त्योहार हुआ करते थे। दूसरे शब्दों में हर दिन उत्सव मनाने के लिए उन्हें बस एक बहाने की जरूरत होती थी। जीवन के अलग-अलग उद्देश्यों को लेकर ये 365 त्योहार मनाए जाते थे। लेकिन महाशिवरात्रि का अपना अलग ही महत्व है। कृष्ण पक्ष में हरेक चंद्र मास का चौदहवां दिन या अमावस्या से एक दिन पूर्व शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। एक पंचांग वर्ष में होने वाली सभी बारह शिवरात्रियों में से महाशिवरात्रि जो फरवरी-मार्च के महीने में आती है, सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी गई है। इस रात्रि में इस ग्रह के उत्तरी गोलार्ध की दशा कुछ ऐसी होती है कि मानव शरीर में प्राकृतिक रूप से ऊर्जा ऊपर की ओर चढ़ती है। यह एक ऐसा दिन होता है जब प्रकृति व्यक्ति को उसके आध्यात्मिक शिखर की ओर ढकेल रही होती है। इसका उपयोग करने के लिए इस परंपरा में हमने एक खास त्योहार बनाया है जो पूरी रात मनाया जाता है। पूरी रात मनाए जाने वाले इस त्योहार का मूल मकसद यह निश्चित करना है कि ऊर्जाओं का यह प्राकृतिक चढ़ाव या उतार अपना रास्ता पा सके। वे लोग जो अध्यात्म मार्ग पर हैं उनके लिए महाशिवरात्रि बहुत महत्वपूर्ण है। योग परंपरा में शिव की पूजा ईश्वर के रूप में नहीं की जाती बल्कि उन्हें आदि गुरु माना जाता है, वे प्रथम गुरु हैं जिनसे ज्ञान की उत्पत्ति हुई थी। कई हजार वर्षों तक ध्यान में रहने के पश्चात एक दिन वे पूर्णतः शांत हो गए, वह दिन महाशिवरात्रि का है। उनके अंदर कोई गति नहीं रह गई और वे पूर्णतः निश्चल हो गए। इसलिए तपस्वी महाशिवरात्रि को निश्चलता के दिन के रूप में मनाते हैं। पौराणिक कथाओं के अलावा योग परंपरा में इस दिन और इस रात को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि महाशिवरात्रि एक तपस्वी व जिज्ञासु के समक्ष कई संभावनाएं प्रस्तुत करती है। आधुनिक विज्ञान कई अवस्थाओं से गुजरने के बाद आज एक ऐसे बिंदु पर पहुंचा है जहां वे यह सिद्ध कर रहे हैं कि हर चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं, वह सिर्फ ऊर्जा है, जो स्वयं को लाखों करोड़ों रूप में व्यक्त करती है।

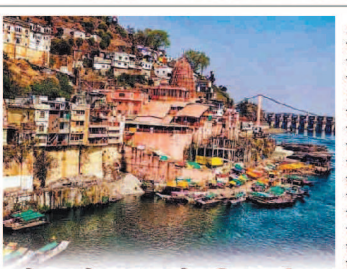

ओंकारेश्वर में शिवजी और मां पार्वती के लिए बिछाई जाती है चौसर पासे की बिसात

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक मध्यप्रदेश में इंदौर के पास स्थित ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस मंदिर क्षेत्र में तीन पुरियां हैं- शिवपुरी, विष्णुपुरी और ब्रह्मपुरी। यहां का मंदिर नर्मदा नदी के तट पर स्थित है। यहां पर शिवजी की तीन प्रहर की आरती की जाती है। कहते हैं कि सुबह, शाम और रात्रि को शयानारती के समय स्वयं शिवजी उपस्थित रहते हैं। शयनकाल की आरती के बाद शयन आसन में शिव-पार्वती जी के लिए यहां पर चौपड़ सजयी जाती है। मान्यता है कि भोलेनाथ और मां पार्वती दोनों चौपड़ खेलने आते हैं। इस परंपरा को प्राचीनकल से ही निभाया जा रहा है। ज्योतिर्लिंग के सामने प्रतिदिन चौपड़ बिछाकर उसकी गोटे और पासे यथास्थान रखे जाते हैं। इस प्राचीन खेल में चौकोर सफेद काले बॉक्स होते है, जिस पर गोट जमाई जाती है। यहां के पुजारी पंडित रमेश चंद्र के अनुसार चौपड़ पासे जामाकर मंदिर के द्वार परजूना की जाती है और इसके बाद द्वार पर ताले लगा दिए जाते हैं। इस दौरान रात्रिकाल में किसी को भी मंदिर में जाने की अनुमति नहीं रहती है। अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के जब पट खोले जाते हैं तो चौपड़ पर रखी गोटे और पासे इस प्रकार से बिखरे मिलते हैं कि जैसे उनसे खेला गया हो। बताया जाता है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ही एक मात्र ऐसा तीर्थ स्थल है। जहां हर रात भगवान शिव और माता पार्वती आते हैं और उसके बाद वे दोनों चौसर खेलते हैं। कहते हैं कि तीनों लोक का भ्रमण करने के बाद शिवजी यहां पर चौसर खेलने के बाद रात्रि विश्राम करते हैं।

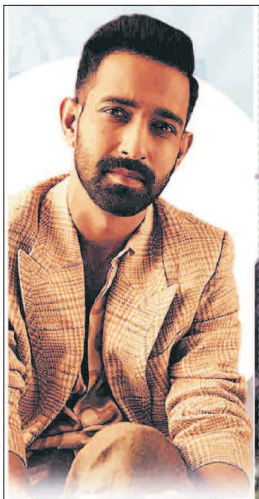

'रामायण' में रिप्लेस किए जाने पर विक्रांत मैसी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। इसे बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। इस बीच यह भी चर्चा चल रही थी कि विक्रांत को मूवी में मेघनाद के किरदार के लिए अप्रोच किया गया है। लेकिन शुक्रवार को य खबर ट्रेंड करने लगी कि उनकी जगह फिल्म में दूसरे एक्टर को लिया गया है। फिल्म में खुद को रिप्लेस किए जाने पर विक्रांत ने क्या कहा?

राघव जुयाल ने किया विक्रांत को रिप्लेस

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक राघव जुयाल फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। राघव जुयाल इस फिल्म में मेघनाद का किरदार निभा सकते हैं। उनका किरदार 'रामायण पार्ट टू' में नजर आएगा, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। पहले इस किरदार को विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, ऐसी खबरें सामने आई थीं। लेकिन किन्हीं कारणों से वह फिल्म से दूर हो गए। इस पूरी स्थिति को लेकर विक्रांत मैसी ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया।

फिल्म 'रामायण' को लेकर क्या बोले विक्रांत?

अपने इंस्टाग्राम पेज पर विक्रांत मैसी ने एक स्टोरी पोस्ट, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया। इसमें उन्होंने लिखा था, 'मैं इन खबरों पर विराम लगाता हूं। मैं कभी भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं था।' उन्होंने आगे फिल्म को लेकर लिखा, 'बहरहाल, रामायण फिल्म की पूरी कास्ट को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं जरूर टिकट खरीदकर ये मूवी देखने जाऊंगा।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'रामायण'?

फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, साउथ एक्टर यश, सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट इस दिवाली (2026) में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं इस फिल्म का दूसरा भाग 2027 दिवाली पर रिलीज होगा।

क्या अल्लू अर्जुन के साथ नेगेटिव रोल में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

अल्लू अर्जुन और एटली एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी एलान नहीं किया गया है। इसके बावजूद फिल्म ने काफी चर्चा बटोर ली है। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस प्रोजेक्ट में पहली बार एक पावरफुल स्टार और एक ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर साथ काम कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म आने वाले वक्त में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी।

कैसा होगा रश्मिका का किरदार?

लेट्स ओटीटी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। बताया जाता है कि रश्मिका मंदाना एक डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी। फिल्म में रश्मिका का किरदार उन खुशमिजाज किरदारों से बहुत अलग है, जो वह आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने पर्सनली इस रोल के लिए उनका नाम सजेस्ट किया था। फैंस को लगता है कि यह किरदार रश्मिका का बिल्कुल नया साइड सामने लाएगा।

फीमेल लीड कौन है?

फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड फीमेल रोल में हैं। दो मजबूत एक्ट्रेस के अहम रोल निभाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कई फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि फिल्म में उनके किरदार कैसे होंगे।

कितनी शूट हुई फिल्म?

खबर है कि रश्मिका ने इस हफ्ते अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फरवरी भर काम करती रहेंगी। इस महीने के आखिर में वह अपनी शादी के लिए छोटा ब्रेक ले सकती हैं। फिल्म का प्रोडक्शन आसानी से चल रहा है। करीब 25 से 30 प्रतिशत शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच दिमागी सुकून पर बोलीं सुतारिया

तारा सुतारिया इन दिनों वीर पहाड़िया के साथ कथित तौर पर ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वीर पहाड़िया से उनका ब्रेकअप हो गया है। इस बीच उन्होंने बताया है कि वह अपने दिमागी सुकून पर ध्यान दे रही हैं। आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा है।

क्या है जिंदगी का मकसद?

इल्ले इंडिया से बातचीत में तारा सुतारिया ने कहा 'मैंने हमेशा से इस बात पर यकीन किया है कि असली कामयाबी दिमागी सुकून में है। मेरी जिंदगी का यह मकसद रहा है कि आपके पास जो मुट्ठी भर लोग हैं, वह आपको प्यार करें और आपको जानें।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे करियर आगे बढ़ा है, शांत रहना और भी जरूरी हो गया है।

शांति की रक्षा करना सीखा

तारा सुतारिया ने बताया कि उन्हें यह समझने में समय लगा कि उन्हें अच्छा महसूस करने के लिए क्या चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी शांति की रक्षा करना सीख लिया है। सिर्फ हम जानते हैं कि अपने नर्वस सिस्टम को कैसे शांत करना है।'

वायरल वीडियो के बाद फैली अफवाह

हाल ही में खबरें आईं कि तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद उनके ब्रेकअप की अफवाहें फैलीं। इस वीडियो की सुतारिया ने आलोचना की और इसे पेड पीआर बताया। वहीं पहाड़िया ने कहा कि जो विलप सर्कुलेट हो रही थी, उसे एडिट किया गया था।

ओरी ने शेयर किया वीडियो

इसके बाद, ओरी ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें पहाड़िया, सुतारिया और एपी ढिल्लों को चीयर कर रहे थे। इस वीडियो को री-शेयर करते हुए पहाड़िया ने लिखा 'सच की हमेशा जीत होती है।' वर्क फ्रंट की बात करें तो सुतारिया अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। यश स्टारर यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी।

सामने आई कोंकणा सेन शर्मा की 'अक्यूज्ड' की रिलीज डेट

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा अपनी अपकमिंग फिल्म 'अक्यूज्ड' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब इसकी रिलीज डेट सामने आ गई है। अनुभूति कश्यप के निर्देशन में बनी साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज 27 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। मेकर्स ने 'अक्यूज्ड' की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। इसे 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। इसकी कहानी सीमा अग्रवाल और यश केसवानी ने लिखी है। इसे करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। 'अक्यूज्ड' लंदन की एक इज्जतदार डॉक्टर की कहानी है। डॉक्टर की जिंदगी तब बिखरने लगती है जब उस पर यौन दुराचार का आरोप लगता है। जैसे-जैसे जांच तेज होती है वैसे-वैसे उसकी मुश्किलें बढ़ती हैं। जांच उसके रिश्तों और इज्जत पर असर डालती है। फिल्म में दिखाया गया है कि जब सच्चाई का पता न हो तो धारणाएं जल्दी हावी होने लगती हैं। एक महिला को आरोप के केंद्र में रखकर बनाई गई फिल्म 'अक्यूज्ड' बेचैनी और शक की कहानी दिखाती है।

प्रतिभा की दूसरी फिल्म

फिल्म 'अक्यूज्ड' प्रतिभा रांटा की दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह 2023 में किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' में नजर आई थीं।

साबुन की ब्रांड एंबेसडर बनकर विवादों में फंसी तमन्ना भाटिया

कर्नाटक का प्रसिद्ध मैसूर चंदन साबुन (मैसूर सैंडल सोप), जो 108 साल पुराना है, अब दोबारा लॉन्च हो रहा है। इसी साबुन के लिए अब तमन्ना भाटिया को इसका ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। मैसूर चंदन साबुन की कंपनी ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। तमन्ना मुंबई में जन्मी हैं और मुख्य रूप से हिंदी-तेलुगु-तमिल फिल्मों में काम करती हैं। पिछले साल मई में उन्हें 6.2 करोड़ रुपये में दो साल के लिए यह कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। अब फरवरी 2026 में साबुन का नया लुक और पैकेजिंग के साथ रीलॉन्च हुआ है।

क्या है विवाद

तमन्ना को मैसूर चंदन साबुन का ब्रांड एंबेसडर बनाने के इस फैसले पर काफी विवाद हो रहा है। कई लोग, खासकर कन्नड़ समर्थक और राजनीतिक नेता कह रहे हैं कि कंपनी को कर्नाटक की किसी स्थानीय कन्नड़ अभिनेत्री को चुनना चाहिए था, जैसे रश्मिका मंदाना, पूजा हेगड़े, श्रीनिधि शेट्टी या राम्या। भाजपा के सांसद के. सुधाकर ने इसे कांग्रेस सरकार की 'कन्नड़ विरोधी सोच' बताया और कांग्रेस को 'गद्दार पार्टी' कहकर आलोचना की।

यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा

बेटे के डेब्यू पर गोविंदा का बड़ा बयान

गोविंदा बीते दिनों से चर्चाओं का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी ने उनपर एक्सट्रामैरिटल अफेयर के आरोप लगाए थे। हालांकि इन सभी आरोपों को गोविंदा ने खारिज कर दिया। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा ने उनके बेटे की एक्टिंग पर भी खुलकर बात की है।

यश मुझसे भी बेहतर एक्टर बनेगा

गोविंदा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर पूरा भरोसा है और यश आगे चलकर उनसे भी बेहतर एक्टर बनेगा। बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा। वो टेक्निकली मुझसे ज्यादा मजबूत है।' अपने बेटे को सपोर्ट करने को लेकर गोविंदा ने बताया कि उनकी सिफारिश पर निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने यश को अपने ऑफिस में जगह दी, ताकि वह फिल्ममेकिंग के अलग-अलग पहलू सीख सके।

करण जौहर पर कसा तंज

इस इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने बताया कि उनके नाम पर एक फिल्म बनाई गई थी। गोविंदा बोले, 'किसी ने मेरे नाम से पिक्चर बना दी थी। शायद उसका नाम 'गोविंदा मेरा नाम' था। मुझे पता नहीं, पर लगता है कि वो करण जौहर की फिल्म थी।' बता दें, साल 2022 में रिलीज हुई 'गोविंदा मेरा नाम' में विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने साथ काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था। वहीं इसके प्रोड्यूसर करण जौहर थे।

गोविंदा ने क्यों छोड़ी राजनीति

वहीं राजनीति छोड़ने के फैसले पर गोविंदा ने कहा कि उन्होंने यह कदम अपने परिवार के लिए उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि राजनीति मेरी फैमिली लाइफ और बच्चों पर असर डाले।'

न्यूकमर्स के साथ काम करना चाहते हैं गोविंदा

खबर है कि गोविंदा सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। हां, सलमान खान ने 'बिग बॉस 19' के मंच पर जरूर कहा था कि वह गोविंदा के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं। गोविंदा ने आगे कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि कोई भी एक्टर उनके बारे में गलत डर बनाए। इसी वजह से उन्होंने सभी से माफी भी मांगी। वहीं, हाल ही में सुनीता आहूजा के भी बॉलीवुड में डेब्यू करने की बात सामने आई है।

यशवर्धन करने वाले हैं बॉलीवुड में डेब्यू

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बेटी टीना ने 2015 में फिल्म 'सेकंड हैंड हसबैंड' से डेब्यू किया था। बेटा यशवर्धन भी जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं।

निगम आयुक्त ने किया दीक्षित कॉलोनी और कोसा नाला का आचौक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने जोन 1 के अंतर्गत आने वाली दीक्षित कॉलोनी की साफ-सफाई व्यवस्था और निर्माणाधीन कोसा नाला रिटर्निंग वॉल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनहित के कार्यों में तेजी लाने और वर्षा ऋतु से पूर्व सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने कोसा नाला के समीप निर्माणाधीन रिटर्निंग वॉल का जायजा लिया।

सफाई व्यवस्था सुधारने और अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नाले के किनारे का तत्काल सीमांकन कराया जाए, ताकि वहां से अतिक्रमण हटाया जा सके। इसका उद्देश्य बरसात के मौसम में जलभराव या किसी भी अप्रिय स्थिति को निर्मित होने से रोकना है। दीक्षित कॉलोनी की गलियों और नालियों की सफाई का

अवलोकन करते हुए आयुक्त ने सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में उपलब्ध ऐसी शासकीय रिक्त भूमि का भी अवलोकन किया गया, जिसका उपयोग भविष्य में जनहित और शासकीय कार्यों के लिए किया जा सके। नवनिर्मित सीसी रोड का जायजा लिया गया, भरपूर तराई हेतु निर्देशित किया गया है जिससे रोड की मजबूती में कमी न हो । निर्माणाधीन मकानो का अवलोकन कर भवन अधिकारी को भवन अनुज्ञा संबंधित दस्तावेज परीक्षण हेतु कहा गया है।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त के साथ स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, सुपरवाइजर क्रिस्टोफर पॉल सहित निगम के अन्य कमर्चारी एवं फील्ड स्टाफ उपस्थित रहे। नगर निगम का लक्ष्य है कि मानसून से पहले जल निकासी की सभी बाधाएं दूर कर ली जाएं। कोसा नाला का सीमांकन और सफाई हमारी प्राथमिकता है ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

खास खबर

सेक्टर-4 और सेक्टर-2 में जलापूर्ति अस्थायी रूप से रहेगा प्रभावित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अंतर्गत कार्यरत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग द्वारा सूचित किया गया है कि सेक्टरझ4 में निर्माणाधीन नए उच्चस्तरीय जलागार (ओवरहेड टैंक) हेतु मुख्य राइजिंग पाइप लाइन से इंटरकनेक्शन का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त इंटरकनेक्शन कार्य के कारण सेक्टर-4 के संपूर्ण क्षेत्र में 17 फरवरी तथा सेक्टर-2 के संपूर्ण क्षेत्र में 18 फरवरी को जलप्रदाय व्यवस्था प्रभावित रहने की संभावना है। यह कार्य 17 फरवरी को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्र इस प्रकार हैं—17 फरवरी को सेक्टर-4 का संपूर्ण क्षेत्र तथा 18 फरवरी को सेक्टर-2 का संपूर्ण क्षेत्र। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग, नगर सेवाएँ विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्रों के निवासियों से सहयोग की अपील की गई है। नागरिक असुविधा से बचने हेतु निर्धारित तिथियों के लिए आवश्यकतानुसार जल का भंडारण पूर्व में ही सुनिश्चित कर लें।

अंतर इस्पात संयंत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए बीएसपी टीम की चयन स्पर्धा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- बोकारो स्टील प्लांट द्वारा 26 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित एस.पी.एस.बी. अंतर इस्पात संयंत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग) में भाग लेने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम के चयन हेतु क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 17 फरवरी एवं 18 फरवरी को संध्या 6 बजे से भिलाई क्लब, सिविक सेंटर, भिलाई में चयन स्पर्धा आयोजित की जाएगी। बीएसपी के नियमित पुरुष कार्मिक, जो उक्त चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे 16 फरवरी तक अपना नाम चयनकर्ताओं के पास दर्ज करा सकते हैं। चयनकर्ता के रूप में उप प्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग) अभिजीत भौमिक तथा प्रवीण उपाध्याय नामांकन स्वीकार करेंगे। इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 74939599530 पर भी संपर्क कर सकते हैं। इस चयन स्पर्धा के प्रभारी उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग) होंगे।

निगम की परियोजना शाखा में करोड़ों के भ्रष्टाचार की शीघ्र शुरू होगी जांच

जांच को प्रभावित करने कहानी रचने का खेल शुरू, क्या हो पाएगा निष्पक्ष जांच?

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम की परियोजना शाखा में करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार के मामले में जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर दो सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है। यह टीम आशीष भट्टाचार्य - कार्यपालन अभियंता (पी.डब्लू.डी.) एवं जितेंद्र मेश्राम - कार्यपालन अभियंता (आर.ई.एस.) के नेतृत्व में बनाई गई है। जांच दल को 15 दिवस के भीतर अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। तीन दिन बीत चुके हैं और अब महज 12 दिन शेष हैं।

शिकायतकर्ता ने सौंपे दस्तावेज

इस पूरे मामले की शिकायत भाजपा पार्षद

संतोष मौर्य ने शपथपत्र के साथ कलेक्टर को दी है। बताया जा रहा है कि उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर लगभग 10 से 12 करोड़ रुपये के नियमविरुद्ध आहरण का आरोप लगाया है। सिर्फ भाजपा पार्षद ही नहीं, बल्कि भाजपा पार्षद दल और कांग्रेस पार्षद दल ने भी इस मुद्दे पर मोर्चा खोल दिया है। दोनों दलों के खुलकर सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है।

कमिश्नर की भूमिका पर भी सवाल

नगर निगम प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। यदि फाइलों के गायब होने और भुगतान प्रक्रियाओं में अनियमितता साबित होती है, तो इसे गंभीर आर्थिक अपराध माना जाएगा। फिलहाल निगाहें जांच टीम की रिपोर्ट पर टिकी हैं। आने वाले 12 दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह जांच भी पूर्व की तरह फाइलों में दब जाएगी या इस बार भ्रष्टाचार की परतें वास्तव में खुलेंगी।

पहले भी बनीं कई जांच समितियां, रिपोर्ट नहीं हुई सार्वजनिक

सूत्रों के अनुसार इससे पूर्व भी नगर निगम में कथित गड़बड़ियों को लेकर 20 से 25 बार जांच समितियां गठित की जा चुकी हैं, लेकिन न तो किसी समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई और न ही किसी बड़े अधिकारी पर ठोस कारर्वाई हुई। ऐसे में इस नई जांच की निष्पक्षता और परिणाम को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

फाइल चोरी की कहानी या साजिश?

परियोजना शाखा में भ्रष्टाचार से जुड़ी कई फाइलों के गायब होने की चर्चा है। यदि किसी शासकीय विभाग से फाइल चोरी होती है तो यह गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यहां कथित तौर पर फाइलों के गायब होने की कहानी सामने आ रही है। जानकारों का कहना है कि निगम में फाइलों का रखरखाव ठेकेदारों के माध्यम से कराया जाना नियमविरुद्ध है। कई बार ठेकेदारों को अपनी गाड़ियों में फाइलें ले जाते देखा गया है।

केवल कागजों में हुए काम?

केवल कागजों में हुए काम?
आरोप है कि कई निर्माण कार्य केवल फाइलों में दर्शाए गए हैं, जबकि जमीनी स्तर पर उनका अस्तित्व नहीं है। यदि जांच के दौरान भौतिक सत्यापन कराया गया तो करोड़ों रुपये की रिकवरी की नौबत आ सकती है। मंच, डोम शेड, पेवर ब्लॉक, डामरीकरण, विद्युत पोल जैसे कार्यों में भारी अनियमितताओं की बात सामने आ रही है।

ओपन नेशनल वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रेहान ने जीता स्वर्ण पदक, बढ़ाया भिलाई मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मोदीनगर में 03 से 14 फरवरी तक आयोजित प्रतिष्ठित ओपन नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में राजनांदगांव के होनहार वेटलिफ्टर रेहान खान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यूथ वर्ग के 94 किलोग्राम ग्रुप में स्वर्ण पदक अपने नाम कर इतिहास रच दिया।

रेहान खान ने स्नेच में 125 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 161 किलोग्राम भार उठाकर कुल 286 किलोग्राम वजन के साथ गोल्ड मेडल जीतकर न केवल अपने जिले राजनांदगांव बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनकी यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन का परिणाम है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को मिला एकमात्र स्वर्ण पदक रेहान खान के खाते में आया, जिससे प्रदेश का खेल गौरव और भी सुदृढ़ हुआ है। उनकी सफलता ने प्रदेश के युवा खिलाड़ियों में नया उत्साह और प्रेरणा का संचार किया है।

स्वर्ण पदक जीतने के पश्चात रेहान खान ने विजय बघेल (दुर्ग लोकसभा सांसद एवं प्रदेश वेटलिफ्टिंग संघ अध्यक्ष) से उनके निज निवास सेक्टर-5, भिलाई में सौजन्य भेंट कर गुलदस्ता भेंट किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने रेहान को मेडल पहनाकर उनका अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है।

इस अवसर पर प्रदेश वेटलिफ्टिंग संघ के उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, कोच अजय लोहार, रेहान के पिता मजहर खान, छबि राम विश्वकर्मा एवं कोमल सोनी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने रेहान की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रेहान खान की यह उपलब्धि निश्चित रूप से आने वाले समय में प्रदेश के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी। समस्त खेल प्रेमियों एवं जिलेवासियों की ओर से उन्हें निरंतर सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी।

सहकारिता विभाग में बड़ा भ्रष्टाचार - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने एक बयान जारी कर कहा कि, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायपुर में धान खरीदी में तालपत्री, सुतली, रंग और कांटाबाट की खरीदी में बहुत बड़ा घोटाला किया गया है। रायपुर एवं अन्य जिला सहकारी बैंक के अधिनस्त समितियों में बहुत बड़ा बन्दर बांट सीईओ और अपैक्स के अधिकारी एवं अध्यक्ष द्वारा किया जा रहा है।

नियुक्ति

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के विभाग में बड़ा घोटाला - घनश्याम राजू तिवारी

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, अपैक्स बैंक के अधिकारी द्वारा बैंक के सीईओ को फोन कर समितियों को उनके चहेते व्यापारी से सामान खरीदने कहा गया और सीईओ द्वारा एक रिटायर्ड अधिकारी को काम में लगा दिया गया है। समिति में बिना शासकीय नियम के खरीदी करने कहा गया, शासन द्वारा जैम पोर्टल से खरीदी किया जाता है उसी तरह 3 टेण्डर लेकर भी खरीदी का प्रावधान बताया जाता है किन्तु इसकी अनदेखी कर समिति के कमर्चारियों पर सीईओ और नोडल अधिकारियों द्वारा दबाव बनवाकर बारी बारी खरीदी बगैर नियम के की गई जो की भाजपा के चहेते भ्रष्ट अधिकारी अपने मन मर्जी से काम कर रहे है और मंत्री धृतराष्ट्र बने बैठे है क्यों?

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, एक समिति से तालपत्री में लगभग 3000.00 से 5000.00 रु. तक की वसूली की गई है जिसका हिसाब होना बाकी है इसी बात की लड़ाई अपेक्स बैंक के सीईओ सहकारिता मंत्री के पीए और अपेक्स बैंक के अधिकारी के मध्य चल रही है। बैंक अपनी मूल भावना से हटकर केवल सहकारिता और अपेक्स के दलालो का अड्डा बना हुआ है जिससे समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ट की सुखियां रोज पढ़ने मिल रही है सहकारिता विभाग और मंत्री चुप क्यों है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, सहकारी बैंक के कमर्चारी और उन पर अनियमित्ता का दबाव सीईओ एवं अन्य के द्वारा सहकारिता की मूल भावना अमित शाह के विभाग को वदनाम करने की साजीस छत्तीसगढ़ में चल रही है किसानों के और सहकारिता के हित की लडाई हमेशा से कांग्रेस लड़ती आ रही है और आगे भी लड़ेगी। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को बेनकाब कर उनके खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

वीबी जी राम जी विकसित भारत आजीविका मिशन रोजगार गारंटी ग्राम नगपुरा अंजोरा और ढाबा में चौपाल का किया गया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आजीविका मिशन रोजगार गारंटी कार्यक्रम के तहत दुर्ग जिले के ग्राम नगपुरा अंजोरा एवं ढाबा में चौपाल का आयोजन किया गया कार्यक्रम में दुर्ग जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कुलेशवरी देवांगन पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कन्हैया सोनी किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक गुप्ता प्रदेश कार्य समिति सदस्य पिछड़ा वर्ग संजय जयसवाल पूर्व सरपंच सुखदेव देवगांव देवांगन दोनों गांव के सरपंच उप सरपंच गांव के पंच एवं बड़ी संख्या में रोजगार गारंटी में कार्य करने वाले मजदूर एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

बीबी जी राम जी योजना के सभी बिंदुओं पर ग्रामीणों के साथ चर्चा करते हुए इसमें सरकार द्वारा क्या-

क्या बदलाव किया गया है ग्रामीणों को बताया गया महतारी वंदन पर विस्तृत चर्चा गांव वासियों से की गई। विकसित भारत - रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' जिसे वीबी-जी राम जी योजना/अधिनियम 2025 कहा जाता है, मनरेगा का एक उन्नत रूप है। यह ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह सालाना 125 दिनों की रोजगार गारंटी, समय पर मजदूरी और बेहतर बुनियादी ढांचे का निर्माण प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित बनाना है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कमल नारायण सरपंच पंचगनी गोवर्धन ईश्वर प्रीति कुलेश्वरी रत्न मानिकपुरी पंचगनी टेक सिंह संतराम साहू दिनेश साहू चंदन साहू हिमाचल साहू जितेन साहू सुकालुराम भीष्म अश्वनी सोहन साहू शिव शंकर किरण नंद साहू पप्पू विश्वकर्मा अर्जुन साहू कुंजन देशमुख शारदा दास गजानन वर्मा प्रेमीन भाई साहू सरपंच समरान लाल साहू पूर्व सरपंच नरेंद्र धनकर उप सरपंच दीनू राम देशमुख प्यारेलाल देशमुख अरुण लाल देशमुख संतोष देशमुख दीनबंधु यादव हितेश देशमुख महत्व साहू पवन बारले उर्मिला बेल चंदन निर्मल बल चंदन कुलेश्वरी देशमुख मिलो साहू विष्णु निर्मलकर देव प्रसाद देशमुख उपस्थित थे।

सेवाभाव — इंद्रजीत सिंह ने लिया कथा का आशीर्वाद, विवाह हेतु 25 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट

भिलाई कैंप-1 में शिवमहापुराण कथा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कैंप-1 में शिव शक्ति सेवा समिति द्वारा आयोजित सुप्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ के अनन्य भक्त एवं कथा व्यास युवराज पाण्डेय की पावन शिवमहापुराण कथा में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह विशेष रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक शिवमहापुराण कथा का रसपान किया और आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में आयोजन समिति के अध्यक्ष सौरभ जायसवाल सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, शानू, इंद्रजीत सिंह चिंटू, रमन राव, डॉ. हरजिंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में माताएं-बहनें, युवा साथी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

सामाजिक दायित्व का निर्वहन

इस अवसर पर भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने एक बार फिर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह के निर्देशानुसार एसोसिएशन के सुपरवाइजर अंकुश सिंह की बहन के विवाह हेतु 25,000 रुपये की नगद सहयोग राशि प्रदान की। परिवार को अग्रिम शुभकामनाएं भी दी गईं।

इस दौरान अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, कायर्कारी अध्यक्ष अनिल चौधरी, महासचिव मलकित सिंह लल्लू, कोषाध्यक्ष जोगा राव, शहनवाज कुरैशी, सोम सिंह, डॉ. हरजिंदर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। जनसंपर्क और सेवा का सिलसिला जारी, हर दिन की भांति कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति कार्यालय में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, माताओं-बहनों एवं युवाओं से आत्मीय भेंट का क्रम जारी रहा। सभी ने अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए, जिनके त्वरित समाधान हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी आयोजनों के आमंत्रण स्वीकार करते हुए आयोजकों को सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी गईं।

चार वर्षों से जरूरतमंदों का हो रहा निशुल्क डायलिसिस

सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं बीरा सिंह मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह की पहल से जरूरतमंद डायलिसिस मरीजो को बड़ी राहत मिल रही है। बीरा सिंह मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल, फल मंडी भिलाई में लगातार 4 वर्षों से निशुल्क डायलिसिस सेवा संचालित की जा रही है। इस सेवा के अंतर्गत अब तक 496 मरीजों का नि:शुल्क डायलिसिस किया जा चुका है। हॉस्पिटल द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को डायलिसिस के दौरान लाइन लगने तक आने वाले खर्चों का भार भी स्वयं वहन किया गया है। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को समय-समय पर आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उन्हें इलाज में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बीमारी से ग्रस्त सीआईएसएफ के जवान ने किया सुसाइड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

उतई थाना क्षेत्र अंतर्गत CISF आरटीसी में पदस्थ जवान मुकेश सिंह (27 वर्ष) ने गुरुवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह उनका शव आरटीसी कैंप के भीतर साइकिल स्टैंड के पास पार्किंग क्षेत्र में फंदे पर लटका हुआ मिला।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक जवान मुकेश सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रहने वाले थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जवान लंबे समय से किडनी की बीमारी से ग्रसित थे और इसी वजह से मानसिक तनाव में होने की आशंका जताई जा रही है।

घटनास्थल से पुलिस को एक ब्लैंक पेपर मिला है, जिसमें जवान ने अपने भाई का नाम और मोबाइल नंबर लिखा था। पुलिस इसे आत्महत्या से जुड़ा महत्वपूर्ण सुराग मान रही है। उतई थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जवान के साथियों और कैंप स्टाफ से पूछताछ की जा रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट हो सके।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।